दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 जनगणना कराने के बाद ही महिला आरक्षण की बात हो : अखिलेश यादव

6 हॉर्मुज की आँच में जल सकती है भारत की पूरी विकास यात्रा

7 कविता कौशिक ने बताया 'कप्तान' के लिए यों नहीं करनी पड़ी ज्यादा मेहनत?

फर्स्ट टेक

ऑनलाइन कट्टरपंथ से जुड़े दो संदिग्ध आतंकी गिरफ्तार

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) और दिल्ली पुलिस के विशेष प्रकोष्ठ ने एक संयुक्त अभियान में युवाओं को कट्टरपंथी बनाने वाले एक आतंकी समूह से जुड़े दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार दोनों आरोपियों को ठाणे के खडवली और मध्य मुंबई के कुर्ला इलाके से खुफिया जानकारी के आधार पर पकड़ा गया। उनके पास से आपत्तिजनक दस्तावेज और मोबाइल फोन सहित कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए गए हैं। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई दो दिन पहले की गई थी और गिरफ्तार आरोपियों को आगे की जांच के लिए दिल्ली ले जाया गया है।

ताडियांडामोल पहाड़ियों में लापता हुई केरल की महिला सुरक्षित मिली

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के कोडागु जिले की ताडियांडामोल पहाड़ियों में 'ट्रेकिंग' के दौरान चार दिन पहले लापता हुई 36 वर्षीय महिला मिल गई है। कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खंड्रे के कार्यालय ने रविवार को यह जानकारी दी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि महिला सुरक्षित है और उसे वापस लाया जा रहा है। केरल के कोझीकोड जिले में नादापुरम की रहने वाली महिला जी. एस. शरण्या (36) 'ट्रेकिंग' के लिए अकेले आई थी और कक्काबे गांव के एक निजी होमस्टे में रुकी थी। वह दो अप्रैल को एक गाइड और 15 अन्य पर्वतारोहियों के साथ कोडागु की ऊंची पहाड़ी श्रृंखला ताडियांडामोल गई थी तथा उसी दोपहर वह लापता हो गई थी।

टीटीपी के करीब 800 आतंकवादी मारे गए : पाकिस्तान

इस्लामाबाद/भाषा। पाकिस्तान ने रविवार को कहा कि उसके सुरक्षा बलों द्वारा अफगानिस्तान में शुरू किए गए अभियान के दौरान अफगान तालिबान के करीब 800 आतंकवादी मारे गए हैं। सूचना मंत्री अत्ताउल्ला तरार ने 'ऑपरेशन गजब लिल-हक' के संबंध में नवीनतम जानकारी साझा करते हुए तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) और अफगान तालिबान को हुए नुकसान का ब्योरा दिया। टीटीपी को फितना अल ख्वारिज (एफएके) भी कहा जाता है, तरार ने कहा कि अभियान शुरू होने के बाद से फितना अल ख्वारिज और अफगान तालिबान के कम से कम 796 सदस्य मारे गए हैं तथा 1,043 से अधिक लोग घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि अफगान तालिबान की 286 चौकियां नष्ट कर दी गईं और 44 अन्य चौकियों पर कब्जा कर लिया गया।

सूर्यास्त 06-04-2026 6:20 बजे	सूर्योदय 07-04-2026 6:01 बजे
BSE 73,319.55 (+185.23)	NSE 22,713.10 (+33.70)
सोना 15,541 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 241,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

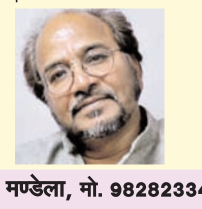

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

कूढ़मगज लोग

भाषाओं को यदि बाँध दिया,
धर्मों के थोथे बंधन में।
तो फर्क नहीं कर पाएंगे,
हम कभी नीम व चंदन में।
भाषाएं देती संस्कार,
मानव के जड़ चेतन मन में,
आओ तज कूढ़मगजियां सब,
हर भाषा के अभिनंदन में।।

2029 के लोकसभा चुनाव से

महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिलना शुरू हो जाएगा : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ देश के लिए यह महत्वपूर्ण है कि देश के लिए लिये जाने वाले निर्णयों में महिलाओं की अधिक भूमिका हो।

कूच बिहार/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कहा कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण का लाभ उन्हें 2029 के संसदीय चुनावों से मिलना शुरू हो जाएगा। मोदी ने पिछले महीने चुनाव की घोषणा के बाद उत्तर बंगाल में अपनी पहली रैली में कूचबिहार के विशाल मैदान को बंगाल की महिलाओं से सीधी अपील करने के लिए इस्तेमाल किया, राज्य की शक्ति पूजा की परंपरा, संदेशखलि का उल्लेख किया और भाजपा को महिलाओं के लिए सुरक्षा, गरिमा और सशक्तिकरण के गारंटर के रूप में प्रस्तुत किया।

मोदी ने कहा, देश के लिए यह महत्वपूर्ण है कि देश के लिए लिये जाने वाले निर्णयों में महिलाओं की अधिक भूमिका हो। इसलिए, हमारी सरकार ने लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने वाला कानून बनाया है।

पश्चिम बंगाल में जहां लगभग आधी मतदाता महिलाएं हैं और तृणमूल कांग्रेस के चुनावी वर्चस्व का आधार हैं, वहां इस बयान के बड़े राजनीतिक निहितार्थ हो सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार अब यह सुनिश्चित करने का प्रयास कर रही है कि 2023 में पारित आरक्षण कानून अगले लोकसभा चुनाव से लागू हो जाए। उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल और पूरे देश की बहनों को 2029 के लोकसभा चुनाव से ही इसका लाभ मिलना शुरू हो जाना चाहिए। हम इसे सुनिश्चित करने का प्रयास कर रहे हैं। इसलिए, सरकार ने इस महीने संसद का विशेष सत्र बुलाया है।''

उन्होंने कहा, माताओं और बहनों का यह अधिकार 40 वर्षों से लंबित है। इसमें और देरी नहीं होनी चाहिए। मोदी की यह टिप्पणी विपक्षी दलों के साथ-साथ देश भर की महिला मतदाताओं को भी लक्षित करती प्रतीत होती है।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने बृहस्पतिवार को राज्यसभा में संकेत दिया था कि संसद जल्द ही एक महत्वपूर्ण विधेयक पर विचार करने के लिए फिर से बैठेगी। संसद का बजट सत्र तीन और दिनों के लिए बढ़ा दिया गया है और संक्षिप्त अवकाश के बाद 16 अप्रैल को फिर से शुरू होगा।

'2026 चुनाव का सुपरस्टार' है द्रमुक का घोषणापत्र : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विरुधुनगर (तमिलनाडु)/भाषा। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने रविवार को द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के चुनाव घोषणापत्र को ''2026 के चुनाव का सुपरस्टार'' बताते हुए कहा कि वादे तो कोई भी कर सकता है, लेकिन जनता भरोसा सिर्फ उनकी पार्टी के वादों पर करती है।

यहां धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन (एसपीए) की एक बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए द्रमुक अध्यक्ष स्टालिन ने कहा, ''छह से 60 वर्ष की आयु तक महिलाओं से लेकर पुरुषों तक, युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक- हर कोई द्रमुक के चुनावी घोषणापत्र को पसंद करता है। ऐसा कोई हो ही नहीं सकता जो इसे नापसंद करे।'' उन्होंने यहां एकत्रित लोगों से कहा, ''मैंने इसे 2026 के चुनाव के सुपरस्टार के रूप में पेश किया है।''

मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि किसी वादे की विश्वसनीयता इस बात पर निर्भर करती है कि उसे कौन करता है। उन्होंने कहा, ''लोग केवल द्रमुक के वादे पर ही विश्वास करते हैं। बाकी लोग जो भी कहें, उसका कोई महत्व नहीं है।''

स्टालिन ने कई ''सुपरस्टार'' वादों का विस्तृत वर्णन किया, जिनमें सबसे उल्लेखनीय 'इल्लाथरासी' (गृहिणी) योजना है। उन्होंने इसे एक ''उत्कृष्ट घोषणा'' बताया, जिसमें महिलाओं को घरेलू उपकरण खरीदने के लिए 8,000 रुपए का कूपन दिया जाएगा।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने गुजरात के लोगों को 'अशिक्षित' कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ मल्लिकार्जुन खरगे ने आरोप लगाया कि भाजपा सबसे सांप्रदायिक पार्टी है और यह राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ (आरएसएस) के साथ मिलकर देश को बर्बाद कर देगी।

इडुक्की (केरल)/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को यहां विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान दिये गए भाषण में गुजरात के लोगों को 'अशिक्षित' बताया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उन्हें 'बेवकूफ' बना रहे हैं। खरगे ने साथ ही कहा कि न तो मोदी और न ही केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन राज्य की जनता को मूर्ख बना सकते हैं, क्योंकि वे ''बहुत चतुर और शिक्षित'' हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''केरल के लोगों को गुमराह मत कीजिए। वे बहुत चतुर और शिक्षित हैं। मोदीजी, विजयन, आप दोनों गुजरात या अन्य जगहों के अशिक्षित लोगों को मूर्ख बना सकते हैं, लेकिन केरल के लोगों को मूर्ख नहीं बना सकते।''

खरगे ने यह टिप्पणी इस आरोप के साथ की कि मोदी और विजयन दोनों एक ही रास्ते पर चल रहे हैं और दोनों नेताओं में उनके दलों के अलावा कोई अंतर नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''एलडीएफ और भाजपा एक साथ आगे बढ़ रहे हैं और कांग्रेस पर हमला कर रहे हैं। दिल्ली में मोदी और केरल में विजयन की कार्यशैली एक जैसी है। वे सत्ता को अपने हाथों में ही केंद्रित रखना चाहते हैं।'' उन्होंने दावा किया, ''दरअसल, मैंने लोगों को यह कहते सुना है कि पिनराई विजयन केरल के मोदी हैं और भाजपा तथा एलडीएफ ने कांग्रेस को सत्ता से दूर रखने के लिए गुपचुप तरीके से साजिश रची है।'' खरगे ने आरोप लगाया कि विजयन, मोदी के नियंत्रण में हैं। उन्होंने कहा, ''वह (विजयन) अब स्वतंत्र व्यक्ति नहीं हैं।''

आरसीबी ने सीएसके को 43 रन से हराया

बेंगलूरु/भाषा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलूरु (आरसीबी) ने रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के टी20 मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 43 रन से हरा दिया। आरसीबी ने टिम डेविड (नाबाद 70) और देवदत्त पडीक्कल (50 रन) के अर्धशतकों के अलावा कप्तान रजत पाटीदार के नाबाद 48 रन और फिल सॉल्ट के 46 रन से तीन विकेट पर 250 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। इसके बाद उसके गेंदबाजों के आगे सीएसके का शीर्ष क्रम चरमरा गया और सरफराज खान (50 रन) के अर्धशतक के बावजूद टीम 19.4 ओवर में 207 रन पर सिमट गई। आरसीबी के लिए भुवनेश्वर कुमार ने जबकि जैकब डफी, कृणाल पंड्या और अभिनंदन सिंह ने दो दो विकेट लिए। सूयश शर्मा ने एक विकेट झटका। सीएसके के लिए सरफराज के अलावा प्रशांत वीर ने 43 रन और जेमी ओवरटन ने 37 रन बनाए।

संघर्ष केवल बाहरी दुनिया में नहीं बल्कि यह व्यक्ति के मन में भी चलता है : उपराष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ ध्यान एक आंतरिक दीपक जलाने के समान है जो अज्ञान को दूर करता है और सत्य एवं शांति की ओर ले जाता है।

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने रविवार को कहा कि ध्यान से शांति, स्पष्टता और सकारात्मक दृष्टिकोण प्राप्त करने में मदद मिल सकती है तथा संघर्ष केवल बाहरी दुनिया में नहीं चलता है बल्कि यह व्यक्ति के मन में भी होता है।

उपराष्ट्रपति ने इस बात पर भी जोर दिया कि ध्यान की वास्तविक शक्ति इंसान को बदलने में निहित है। उन्होंने कहा कि ध्यान तनाव को कम करने, एकाग्रता बढ़ाने एवं भावनात्मक लचीलेपन को बढ़ाने में तथा अत्यधिक सोचने एवं अत्यधिक काम करने जैसी समस्याओं के समाधान में मदद करता है ।

उपराष्ट्रपति ने यहां ध्यान पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज दुनिया कई चुनौतियों से जूझ रही है। उन्होंने कहा कि संघर्ष केवल बाहरी दुनिया में नहीं चलता है बल्कि यह व्यक्ति के मन में भी चलता रहता है।

एक सरकारी बयान के अनुसार, उन्होंने कहा कि ध्यान शांति, स्पष्टता और सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदान करके तथा दूसरों को सुनने और समझने की क्षमता को बढ़ावा देकर एक परिवर्तनकारी भूमिका निभा सकता है।

तमिल संत तिरुमूलर की शिक्षाओं को याद करते हुए, राधाकृष्णन ने इस बात पर जोर दिया कि ध्यान एक आंतरिक दीपक जलाने के समान है जो अज्ञान को दूर करता है और सत्य एवं शांति की ओर ले जाता है।

भाजपा घुसपैठियों के खिलाफ है, मुसलमानों के नहीं : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ समावेशिता भाजपा की नीति का केंद्र है और पार्टी सभी को साथ लेकर चलने में विश्वास रखती है। पार्टी का विरोध केवल घुसपैठ के खिलाफ है, किसी धर्म विशेष के खिलाफ नहीं।

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने असम व पश्चिम बंगाल में पार्टी की चुनावी संभावनाओं पर विश्वास व्यक्त करते हुए रविवार को कहा कि भाजपा घुसपैठियों का विरोध करती है न कि वह मुस्लिमों के खिलाफ है।

असम में विधानसभा चुनाव नौ अप्रैल को होने हैं, जबकि पश्चिम बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में मतदान होगा और मतगणना चार मई को होगी।

गडकरी ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि हम असम और पश्चिम बंगाल दोनों में जीतेंगे। भाजपा की नीति है कि धार्मिक पहचान से परे सभी को साथ लेकर चला जाए। हम घुसपैठियों के खिलाफ हैं, मुसलमानों के नहीं।

पार्टी के विकास एजेंडे पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि बड़े पैमाने पर बुनियादी ढांचे में निवेश और शासन-केंद्रित दृष्टिकोण भाजपा की चुनावी रणनीति के प्रमुख स्तंभ हैं। उन्होंने कहा, असम सहित पूर्वोत्तर क्षेत्र में लगभग पांच लाख करोड़ रुपए की परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है। करीब 1.5 लाख करोड़ रुपए की बुनियादी ढांचा परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं, जबकि 1.5 लाख करोड़ से दो लाख करोड़ रुपए की परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। इसके अलावा, लगभग दो लाख करोड़ रुपए की परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। उन्होंने कहा कि ये पहल विशेष रूप से सड़क परिवहन, राजमार्ग और लॉजिस्टिक्स के क्षेत्र में संपर्क व्यवस्था में सुधार, व्यापार को बढ़ावा देने और आर्थिक वृद्धि को तेज करने के उद्देश्य से हैं।

गडकरी ने कहा, यह सतत प्रयास असम और पूर्वोत्तर क्षेत्र के बुनियादी ढांचा परिदृश्य को बदल देगा।

ये बयान ऐसे समय में आए हैं जब हिमंत विश्व शर्मा नीत सरकार अपने विकास कार्यों और कल्याणकारी योजनाओं को आधार बनाकर सत्ता में वापसी की कोशिश कर रही है।

ट्रंप ने ईरान को सख्त और नई धमकी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ ट्रंप ने एक बार फिर ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य खोले या फिर विनाशकारी परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहे।

वाशिंगटन/एपी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को ईरान और उसके बुनियादी ढांचे पर हमले तेज करने की नयी और अपशब्दों से भरी धमकियां दीं। ट्रंप ने कहा कि यदि ईरान उनकी ओर से तय समय सीमा तक होर्मुज जलडमरूमध्य को नहीं खोलता है तो उसपर हमले तेज कर दिए जाएंगे। यह धमकी अमेरिकी सेना द्वारा उस पायलट को बचाने के बाद दी गई जिसका विमान ईरान द्वारा मार गिराया गया था। अमेरिका का यह विमान दुश्मन के क्षेत्र में गिरा था। ट्रंप ने एक बार फिर ईरान को चेतावनी देते हुए कहा कि वह होर्मुज जलडमरूमध्य खोले या फिर विनाशकारी परिणाम भुगतने के लिए तैयार रहे।

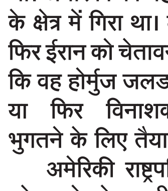

अमेरिकी राष्ट्रपति ने शनिवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा, ''याद है जब मैंने ईरान को समझौता करने या होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने के लिए दस दिन का समय दिया था?'' उन्होंने कहा, ''समय तेजी से बीत रहा है - 48 घंटे बाद उन पर कहर टूट पड़ेगा।''

ईरान ने अमेरिकी बयान को चुनौती दी

ईरान ने अड़ियल रवैया अपनाते हुए पीछे हटने का कोई संकेत नहीं दिया है और खाड़ी के अरब देशों के बुनियादी ढांचे पर हमले किए तथा बचाव अभियान के बारे में अमेरिकी बयान को चुनौती दी।

ईरान की सरकारी मीडिया के अनुसार, संयुक्त सैन्य कमान के प्रमुख जनरल अली अब्दुल्ला अलीबादी ने ट्रंप की हालिया धमकी के जवाब में कहा, ''यदि ईरान के बुनियादी ढांचे पर हमला किया गया, तो दुश्मनों के लिए जहन्नुम के दरवाजे खोल दिए जाएंगे।''

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में ट्रंप ने ईरान के बिजली संयंत्रों और पुलों पर हमले की धमकी दी और कहा कि अगर मंगलवार तक वैश्विक व्यापार के लिए महत्वपूर्ण जलमार्ग, जलडमरूमध्य को समुद्री यातायात के लिए नहीं खोला गया, तो देश 'नर्क में धकेल दिया जाएगा'। ट्रंप ने पहले भी ऐसी समयसीमाएं जारी की थीं, लेकिन मध्यस्थों द्वारा युद्ध समाप्त करने की दिशा में प्रगति का दावा करने पर उन्होंने इसे आगे बढ़ा दिया।

ईरानी क्षेत्र में 'जीवन-मरण' मिशन में अमेरिकी पायलट को बचाया गया

न्यूयॉर्क/भाषा। अमेरिका ने अपने उस पायलट को दो दिन तक चले 'जीवन-मरण' वाले मिशन में सुरक्षित बचा लिया, जो तेहरान के हमले में अपने लड़ाकू विमान को निशाना बनाये जाने के बाद लापता हो गया था। अमेरिकी सेना ने इस अभियान को ईरान में घुसकर अंजाम दिया।

न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, ईरान द्वारा विमान को मार गिराये जाने के बाद अमेरिकी वायुसेना का अधिकारी दुश्मन से बचने के लिए पहाड़ों की एक दरार में छिप गया और 7,000 फुट की ऊंचाई तक चढ़ाई की। दो दिन तक चले ''जीवन-मरण'' वाले मिशन में अमेरिकी सेना उसे सुरक्षित ले आई।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पायलट को बचाने के लिए चलाए गए बचाव अभियान को रविवार को ''साहस और प्रतिभा का एक अद्भुत प्रदर्शन'' करार दिया।

न्यायिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करना वैकल्पिक नहीं, बल्कि अनिवार्य है : सीजेआई सूर्यकांत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने रविवार को कहा कि विभिन्न राजनीतिक दलों की राज्य सरकारें यह मानती हैं कि न्यायिक बुनियादी ढांचे को मजबूत करना वैकल्पिक नहीं, बल्कि अनिवार्य है।

तेलंगाना उच्च न्यायालय जोन-2 (जिसमें न्यायाधीशों और मुख्य न्यायाधीश के लिए आवासीय भवन शामिल हैं) का शिलान्यास करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जब न्यायपालिका और कार्यपालिका उद्देश्य में एकजुट होती हैं, तो संविधान वास्तव में जीवंत हो उठता है। उन्होंने कहा, ''देश भर में बना यह माहौल मुझे बहुत आत्मविश्वास देता है। पिछले कुछ महीनों में ही मुझे उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, असम और अब तेलंगाना में न्यायिक परिसर के शिलान्यास का अवसर मिला है।'' उन्होंने कहा, ''सभी राजनीतिक दलों की राज्य सरकारें यह मान रही हैं कि न्यायिक ढांचे को मजबूत करना वैकल्पिक नहीं, बल्कि अत्यंत आवश्यक है।'' उन्होंने कहा कि संविधान निर्माताओं का न्याय तक पहुंच के सिद्धांत में दृढ़ विश्वास था और इसीलिए उन्होंने प्रत्येक राज्य के लिए एक उच्च न्यायालय की स्थापना को संवैधानिक दायित्व बनाया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने कहा, ''मैंने इसे केवल एक कानूनी आवश्यकता ही नहीं, बल्कि गणतंत्र की एक गंभीर प्रतिबद्धता के रूप में देखा है।''

प्रस्तावित परियोजना के नक्शों और मॉडल को देखने के बाद प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि 100 एकड़ में बनने वाला नया उच्च न्यायालय परिसर देश के सर्वश्रेष्ठ परिसरों में से एक होगा।

निर्वाचन आयोग यदि प्रत्याशियों पर निर्भर हो, तो निष्पक्ष चुनाव नहीं हो सकते : न्यायमूर्ति नागरत्ना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय की न्यायाधीश बी.वी. नागरत्ना ने निर्वाचन आयोग को परोक्ष रूप से आगाह करते हुए कहा कि यदि चुनाव कराने वाले लोग उम्मीदवारों पर निर्भर हों तो चुनावों की निष्पक्षता सुनिश्चित नहीं की जा सकती। उन्होंने शनिवार को पटना के चाणक्य विधि विश्वविद्यालय में राजेंद्र प्रसाद स्मृति व्याख्यान देते हुए मतदान की निगरानी करने के लिए नियुक्त किए जाने वाले कर्मियों की संरचनात्मक स्वतंत्रता के संबंध में गंभीर चिंता व्यक्त की।

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने उच्चतम न्यायालय के 1995 के एक फैसले का हवाला देते हुए कहा, ''एक बार फिर यह संरचनात्मक चिंता है कि यदि चुनाव संचालित करने वाले, चुनाव लड़ने वालों पर निर्भर हों, तो प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित नहीं की जा सकती।'' शीर्ष अदालत ने 1995 के इस फैसले में निर्वाचन आयोग को एक अत्यंत महत्वपूर्ण संवैधानिक संस्था करार दिया था। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, ''एक बार फिर, चिंता संरचनात्मक है। यदि चुनाव कराने वाले चुनाव लड़ने वालों पर निर्भर हों, तो प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित नहीं की जा सकती।'' उन्होंने कहा कि चुनाव केवल समय-समय पर होने वाली घटनाएं नहीं हैं, बल्कि वे प्रक्रियाएं हैं जिनके माध्यम से सरकार का गठन होता है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, ''हमारी संवैधानिक लोकतांत्रिक व्यवस्था ने यह प्रदर्शित किया है कि समय पर चुनाव होने से सरकारों का सुचारू रूप से परिवर्तन संभव हुआ है। इस प्रक्रिया पर नियंत्रण, राजनीतिक प्रतिस्पर्धा की शर्तों पर नियंत्रण के समान है।'' उन्होंने कहा कि सत्ता केवल औपचारिक संस्थाओं के माध्यम से ही नहीं, बल्कि उन प्रक्रियाओं के जरिए भी संचालित होती है जो उन्हें बनाए रखती हैं, जैसे चुनाव, सार्वजनिक वित्त और विनियमन।

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि सत्ता को नियंत्रित करने वाली संवैधानिक संरचना को इन 'चौथे स्तंभ' जैसी संस्थाओं पर भी ध्यान देना होगा। उन्होंने कहा कि ये संस्थाएं भले ही पारंपरिक तीन स्तंभों (विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका) में न आती हों, लेकिन संवैधानिक व्यवस्था बनाए रखने में अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

हरियाणा के मुख्यमंत्री ने जींद में 253 करोड़ की परियोजनाओं की शुरुआत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को जींद जिले में सिंचाई, सड़क, स्वास्थ्य और जलापूर्ति से जुड़ी 253 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की शुरुआत की।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि सैनी ने 140 करोड़ रुपए से अधिक की 12 परियोजनाओं की आधारशिला रखी और 112 करोड़ रुपए से अधिक की संयुक्त लागत वाली तीन परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

बयान के मुताबिक, लोकार्पण की गई परियोजनाओं में जींद नहर संख्या- 4 का पुनर्निर्माण शामिल है, जिसे सिंचाई और जल संसाधन विभाग ने 16.28 करोड़ रुपए की लागत से पूरा किया है।

उद्घाटन की गई अन्य परियोजनाओं में ग्राम स्तर पर आधुनिक सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली, सौर ऊर्जा संचालित सिंचाई सुविधाएं और इंतल खुर्द गांव में जल भंडारण के लिए 56.36 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित एक जलाशय शामिल हैं।

सैनी ने जींद में एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने इसी के साथ चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में 56.36 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित डॉ. बी.आर. अंबेडकर पुस्तकालय भवन का लोकार्पण किया।

विधानसभा चुनावों के दौरान 650 करोड़ रुपए की अवैध नकदी, शराब और मादक पदार्थ जब्त

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने रविवार को कहा कि चार चुनावी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में प्रवर्तन अधिकारियों ने मतदाताओं को लुभाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली 650 करोड़ रुपए से अधिक की अवैध नकदी, मादक पदार्थ और शराब जब्त की है। आयोग द्वारा साझा किए आंकड़ों के अनुसार, प. बंगाल से 319 करोड़ रुपए की अवैध नकदी, मादक पदार्थ, शराब और मूल्यवान धातुएं जब्त की गई हैं। इसके बाद तमिलनाडु का स्थान है जहां 170 करोड़ रुपए जब्त किए गए हैं।

शिकायतों का निपटारा 100 मिनट के भीतर सुनिश्चित करने के लिए 5,173 से अधिक उड़न दस्तों को तैनात किया गया है। निर्वाचन आयोग के अनुसार, इसके अलावा विभिन्न स्थानों पर अचानक नाकेबंदी करने के लिए 5,200 से अधिक स्थिर निगरानी दल (एसएसटी) भी तैनात किए गए हैं। केरल, असम और पुडुचेरी में नौ अप्रैल को मतदान होगा, जबकि पश्चिम बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को दो चरणों में मतदान होना है।

एअर इंडिया ने इजराइल के लिए 31 मई तक अपनी उड़ानें निलंबित कीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरूशलम/भाषा। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के बीच एअर इंडिया ने इजराइल के लिए अपनी उड़ानें 31 मई तक निलंबित कर दी हैं। एअर इंडिया के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को पुष्टि की कि विमानन कंपनी ने नई दिल्ली-तेल अवीव मार्ग पर 31 मई तक उड़ानें निलंबित कर दी हैं।

तेल अवीव मार्ग पर अधिकतर प्रमुख विमानन कंपनियों ने अपनी सेवाएं निलंबित कर दी हैं और केवल इजराइली विमानन कंपनियां जैसे एल अल, इस्रायर, अर्किया और एअर हैफा कड़ी पाबंदियों के बीच परिचालन कर रही हैं। उड़ानों का निलंबित होना इजराइल में रह रहे 40,000 से अधिक भारतीयों के लिए चिंता का विषय है, जो निजी या पेशेगत कारणों से या क्षेत्र में बढ़ते तनाव के कारण ईरान से निकलना चाहते हैं। इजराइल छोड़ने के इच्छुक भारतीयों को जमीनी सीमा के जरिये जॉर्डन या मिस्र होकर जाना पड़ रहा है। तेल अवीव स्थित भारतीय मिशन विभिन्न माध्यमों से यात्रा करने के इच्छुक लोगों की मदद कर रहा है। दूतावास ने इस दौरान समुदाय के साथ नियमित संपर्क बनाए रखा है, चौबीसों घंटे सेवा देने वाली आपातकालीन हेल्पलाइन शुरू की है और बड़े पैमाने पर पंजीकरण अभियान भी चलाया है। मिशन ने अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिए बताया कि राजदूत जे. पी. सिंह और दूतावास के दल ने शनिवार को इजराइल भर में भारतीय कामगारों और छात्रों के साथ डिजिटल माध्यम से चर्चा की और उनकी चिंताएं सुनीं एवं उन्हें ''मौजूदा संकट के दौरान और उसके बाद भी लगातार सहयोग दिए जाने'' का भरोसा दिलाया।

सूरत डायमंड बोर्स अगले दो वर्षों में सीवीडी डायमंड का सबसे बड़ा केंद्र बनेगा : संघवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सूरत/भाषा। गुजरात के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने कहा है कि सूरत डायमंड बोर्स आने वाले दो वर्षों में 'केमिकल वेपर डिपोजिशन (सीवीडी)' हीरों का सबसे बड़ा केंद्र बन जाएगा। केमिकल वेपर डिपोजिशन (सीवीडी) एक आधुनिक तकनीक है, जिसके जरिए प्रयोगशाला में हीरे बनाए जाते हैं।

संघवी ने शनिवार को सूरत डायमंड बोर्स के दौरे के दौरान कहा कि जिस तेजी से यहां विकास हो रहा है, उसे देखते हुए लैब में तैयार हीरे और प्राकृतिक हीरों का प्रमुख केंद्र मुंबई से सूरत की ओर स्थानांतरित हो सकता है।

संघवी ने कहा, सूरत डायमंड बोर्स अगले दो वर्षों में हीरों का सबसे बड़ा केंद्र बन जाएगा। बहुत कम समय में व्यापारी यहां अपने दफ्तर खोलने लगे हैं। अगले एक साल में करीब 1,500 कार्यालय चालू होने की उम्मीद है, जिनमें से 500 कार्यालय अगले पांच महीनों में शुरू हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि रोजाना औसतन 2,800 से 3,200 लोग सूरत डायमंड बोर्स में पंजीकरण कर रहे हैं, जो बढ़ती व्यापारिक गतिविधियों का संकेत है। उपमुख्यमंत्री ने यह भी भरोसा दिलाया कि कच्चे हीरों के व्यापारी भी अगले चार महीनों में यहां अपने दफ्तर शुरू कर सकेंगे, जिससे कच्चे से लेकर पॉलिश किए गए हीरों तक का पूरा कारोबार एक ही स्थान पर संभव हो सकेगा।

आंध्र प्रदेश: बिजली के तार के संपर्क में आने से राज्य परिवहन की बस में आग लगी

वीरागन्नागट्टुपल्ली (आंध्र प्रदेश)/भाषा। आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले में वेम्पल्लीरायचोटी मुख्य मार्ग पर रविवार को राज्य परिवहन की बस के उच्च वोल्टेज वाले तार के संपर्क में आने से उसमें आग लग गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि इस दुर्घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। यह घटना उस समय हुई जब बस कडप्पा से वेमपल्ली और तालुपुला होते हुए कदिरी जा रही थी।

पुलिवेंदुला के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) मुरली नाइक ने बताया, बस के उच्च वोल्टेज वाले तार के संपर्क में आने के बाद चिंगारी उठी, जिससे आग लग गई। चालक, परिचालक और सभी यात्रियों को समय रहते सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इस घटना में किसी के हताहत या घायल होने की सूचना नहीं है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि बिजली के तार के संपर्क में आने से उठी चिंगारियों ने तेजी से आग का रूप ले लिया, जिससे बस और बिजली लाइन को नुकसान पहुंचा। इस मामले में सड़क निर्माण ठेकेदार, बिजली विभाग और राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की संभावित लापरवाही की आशंका जताई गई है। पुलिस मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया में है।

चंडीगढ़ में भाजपा कार्यालय के बाहर हुए धमाके के मुख्य आरोपी गिरफ्तार

चंडीगढ़/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पंजाब इकाई के यहां स्थित कार्यालय के बाहर एक अप्रैल को हुए धमाके के सिलसिले में कथित रूप से दो मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी यादव ने बताया कि मामले के आरोपी गुरतेज सिंह और अमनप्रीत सिंह को शनिवार रात हरियाणा के रेवाड़ी से गिरफ्तार किया गया। पुलिस प्रमुख ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, दोनों आरोपी पंजाब के रूपड़ के मोरिंडा थाना क्षेत्र के रतनगढ़ गांव के निवासी हैं। चंडीगढ़ में एक अप्रैल को करीब शाम पांच बजे सेक्टर 37 स्थित पार्टी मुख्यालय के बाहर एक धमाका हुआ था। इस धमाके में कारों की खिड़कियां टूट गईं और एक स्कूटर को नुकसान पहुंचा था। हालांकि कोई हताहत नहीं हुआ था।

पुलिस ने पहले इसे देसी बम बताया था लेकिन बाद में यह हथगोला निकला।

मास्टरमाइंड की गिरफ्तारी के साथ 300 करोड़ रुपए के अंतरराष्ट्रीय साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने एक कथित मास्टरमाइंड एवं 10 अन्य को गिरफ्तार करके 300 करोड़ रुपए से अधिक की साइबर ठगी से जुड़ी 2000 से अधिक शिकायतों के सिलसिले में एक बड़े अंतरराष्ट्रीय ठगी गिरोह का पर्दाफाश किया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि पुलिस ने कई राज्यों में सक्रिय एक संगठित नेटवर्क का पर्दाफाश किया जिसके संबंध विशेष रूप से कंबोडिया में सक्रिय अंतरराष्ट्रीय साइबर धोखाधड़ी गिरोहों से थे।

पुलिस ने कहा, '' हमने अब तक 100 से अधिक फर्जी कंपनियों से जुड़े 260 से अधिक बैंक खातों की पहचान की है जिनका इस्तेमाल अपराधिक कमाई को अंतरित करने के लिए किया जाता था। गिरोह से संबंधित शिकायतों की कुल संख्या 2,567 है।'' पुलिस उपायुक्त (डीसीपी-अपराध शाखा) आदित्य गौतम ने बताया कि मुख्य आरोपी करण कजारिया को उसके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी होने के बाद तीन अप्रैल को कोलकाता हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया तथा उसे आगे की जांच के लिए एक दिन बाद दिल्ली लाया गया। यह मामला शहर के निवासी सुल्तान की शिकायत के बाद सामने आया, जिसने आरोप लगाया कि एक निवेश योजना में फंसाकर उससे 31.45 लाख रु. ठग लिए गए। पीड़ित को ऊंचे मुनाफे का वादा करके एक फर्जी ट्रेडिंग एप्लिकेशन डाउनलोड करने और उसमें पैसा लगाने के लिए राजी किया गया था लेकिन जब उसने मुनाफा निकालने की कोशिश की, तो एप्लिकेशन ने काम करना बंद कर दिया और ग्रुप तक पहुंच असंभव हो गई।

हिमाचल के ऊंचाई वाले इलाकों में हुई बर्फबारी, सात-आठ अप्रैल के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिमला/भाषा। हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में रविवार को बर्फबारी हुई तथा मौसम विभाग ने सात और आठ अप्रैल के लिए राज्य में चार से पांच जिलों में ओलावृष्टि, आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं चलने का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटों के दौरान शनिवार शाम से लाहौल-स्पीति जिले के गोंडला में सबसे अधिक 28.2 सेंटीमीटर बर्फबारी हुई। इसके बाद, केलांग में 20 सेंटीमीटर (सेमी), हंसा में पांच सेमी और कुकुमसेरी में 1.30 सेमी बर्फबारी दर्ज की गई।

राज्य के कई हिस्सों में बीते 24 घंटों के दौरान रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश भी हुई। सराहन में 23.5 मिलीमीटर (मिमी) बारिश दर्ज की गई, जबकि धर्मशाला और सुंदरनगर में 18.2 मिमी, मनाली में 17 मिमी, शिमला में 13.4 मिमी, कुकुमसेरी में 13.2 मिमी, कल्पा में 11 मिमी, पालमपुर में 10.6 मिमी और कसौली में 10 मिमी वर्षा हुई। शिमला में शनिवार रात बारिश के बाद भारी ओलावृष्टि हुई। सुंदरनगर क्षेत्र में भी ओलावृष्टि हुई। शिमला, सुंदरनगर, जुब्बरहट्टी, भुंतर, कांगड़ा, मुरारी देवी और जोत में गरज के साथ बारिश और बिजली गिरने की घटनाएं हुईं, जबकि सुंदरनगर में हल्का कोहरा छाया रहा। मौसम विभाग के अनुसार, ताबो, नेरी और सियोबाग में 35 से 48 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं। शिमला स्थित मौसम विज्ञान केंद्र ने मंगलवार और बुधवार को राज्य के चंबा, कांगड़ा, कुल्लू, मंडी और शिमला जिलों में 40 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने, ओलावृष्टि, आंधी और बिजली गिरने की चेतावनी जारी करते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। उत्तर-पश्चिम भारत में बुधवार से एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने का अनुमान है।

सरकारी दवाओं की अवैध बिक्री में शामिल गिरोह का भंडाफोड़, पांच लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने अस्पतालों में सरकार की तरफ से मुफ्त वितरण के लिए दी जाने वाली दवाओं की अवैध हेराफेरी और बिक्री में शामिल एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है और 70 लाख रुपए की दवाएं जब्त की हैं। एक अधिकारी ने रविवार को बताया। पुलिस ने एक बयान में कहा कि इस मामले में दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) अस्पताल में तैनात एक फार्मासिस्ट और संविदा पर नियुक्त एक सहायक सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों की पहचान नीरज कुमार, सुशील कुमार, लक्ष्मण मुखिया, बिनेश कुमार और प्रकाश महतो के रूप में हुई है।

अधिकारी ने बताया, ''उनके पास से लगभग 70 लाख रुपए की दवाएं, साथ ही परिवहन के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक टेम्पो और एक कार बरामद की गई। पुलिस के अनुसार, आरोपियों को तीस हजारी इलाके में सरकारी आपूर्ति, बिक्री के लिए नहीं अंकित माल की ढुलाई करते समय पकड़ा गया। पूछताछ के दौरान पता चला कि यह गिरोह एक साल से अधिक समय से सक्रिय था तथा अस्पतालों के भंडार से दवाएं निकालकर कई शहरों में स्थित दलालों के नेटवर्क के माध्यम से खुले बाजार में बेची जा रही थीं। पुलिस ने बताया कि फार्मासिस्ट नीरज कुमार ने भंडार के रिकॉर्ड में हेराफेरी की, जबकि उसके सहायक ने दवाओं को बाहर पहुंचाने में मदद की। अधिकारी ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और गिरोह के अन्य सदस्यों की पहचान करने तथा वित्तीय लेनदेन का पता लगाने के लिए जांच जारी है।

खरात मामले में सीडीआर लीक की जांच करेगी सरकार, संपत्ति की पड़ताल का मामला ईडी को : फडणवीस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नासिक/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को आश्वासन दिया कि 'स्वयंभू बाबा' अशोक खरात मामले में कथित सीडीआर लीक होने की जांच कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मामले में गिरफ्तार 'स्वयंभू बाबा' की संपत्तियों की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को सौंपी जाएगी।

शुक्रवार को सामाजिक कार्यकर्ता अंजलि दमानिया द्वारा खरात और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बीच हुई कथित बातचीत के खुलासे के बाद मचे बवाल के बीच फडणवीस ने कहा कि किसी को भी इस तरह के 'कॉल डेटा रिकॉर्ड' (सीडीआर) प्राप्त करने का अधिकार नहीं है। एकनाथ शिंदे शिवसेना के प्रमुख हैं। अंजलि दमानिया ने यह भी दावा किया कि उन्हें खरात से जुड़ा कॉल डेटा रिकॉर्ड (सीडीआर) व्हाट्सएप पर अज्ञात नंबर से प्राप्त हुआ था। 'स्वयंभू बाबा' और ज्योतिषी खरात को मार्च में गिरफ्तार किया था, जब विवाहित महिला ने उस पर तीन साल तक बार-बार बलात्कार करने का आरोप लगाया था। अब तक उसके खिलाफ कुल आठ प्राथमिकी दर्ज की जा चुकी हैं। बाद में हुई जांच में यौन उत्पीड़न, जमीन व अन्य संपत्तियों से जुड़ी वित्तीय अनियमितताओं सहित कई अपराधों का खुलासा हुआ। गिरफ्तारी के बाद खरात की शिंदे और राकांपा नेता रूपाली चकणकर सहित महाराष्ट्र के प्रमुख राजनेताओं के साथ तस्वीरें वायरल हुईं। महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री शिंदे ने 2022 में खरात के मंदिर का दौरा किया था। फडणवीस ने कहा, ''अशोक खरात मामले में सीडीआर लीक होने की जांच की जाएगी और सख्त कार्रवाई की जाएगी। किसी को भी कॉल डेटा रिकॉर्ड (सीडीआर) तक पहुंचने का अधिकार नहीं है, केवल अधिकृत एजेंसियां ही ऐसा कर सकती हैं। यह डेटा कैसे और किसने लीक किया, इसकी जांच राज्य सरकार करेगी।'' उन्होंने कहा कि संवेदनशील मामलों में मात्र आरोप पर्याप्त नहीं होते हैं और ठोस सबूतों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि ईडी खरात की संपत्तियों की पृष्ठभूमि की जांच करेगी। फडणवीस ने पत्रकारों को बताया कि ईडी ने मामले का संज्ञान लिया है और कार्रवाई शुरू कर दी है। उन्होंने जोर देकर कहा, ''खरात के सभी खाते हमारे संज्ञान में आ गए हैं और उनके माध्यम से हुए लेन-देन की पहचान कर ली गई है। मुझे पूरा विश्वास है कि सभी अवैध संपत्तियों और कुकृत्यों का पर्दाफाश होगा।''

होर्मुज को लेकर चिंताओं के बीच सरकार ने एलपीजी की आपूर्ति बढ़ाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार ने रसोई गैस की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए पांच किलोग्राम वाले छोटे एलपीजी सिलेंडरों की बिक्री तेज कर दी है।

पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार,23 मार्च से अब तक ऐसे करीब 6.6 लाख सिलेंडर बेचे जा चुके हैं।

सब्सिडी वाले 14.2 किलोग्राम के घरेलू सिलेंडरों के विपरीत, पांच किलोग्राम के छोटे सिलेंडर, जिन्हें एफटीएल सिलेंडर कहा जाता है, बाजार कीमत पर मिलते हैं और इन्हें नजदीकी गैस एजेंसी से लेने के लिए पते का प्रमाण देना जरूरी नहीं होता।

पेट्रोलियम मंत्रालय ने एक बयान में कहा, कल (4 अप्रैल) पांच किलोग्राम के 90,000 से अधिक एफटीएल सिलेंडर बेचे गए। 23 मार्च 2026 से अब तक करीब 6.6 लाख पांच किलोग्राम एफटीएल सिलेंडर बेचे जा चुके हैं। मंत्रालय ने कहा कि एलपीजी वितरकों के पास किसी तरह की कमी की कोई सूचना नहीं है। एक ही दिन में 51 लाख से अधिक घरेलू सिलेंडरों की आपूर्ति की गई और कुल मांग का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा ऑनलाइन बुकिंग के जरिए पूरा हुआ।

प्रशासन ने जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। मार्च से अब तक 50,000 से अधिक सिलेंडर जब्त किए गए हैं, एलपीजी वितरकों को 1,400 से ज्यादा कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं और अब तक 36 डीलरशिप निलंबित की जा चुकी हैं।

मंत्रालय ने यह भी कहा कि वाणिज्यिक एलपीजी की आपूर्ति को संकट से पहले के स्तर के 70 प्रतिशत तक सीमित किया गया है, जबकि छोटे सिलेंडरों की उपलब्धता बढ़ाई जा रही है ताकि मांग का दबाव कम हो सके।

प्राकृतिक गैस के बारे में सरकार ने कहा कि घरेलू उपयोग और परिवहन के लिए पूरी आपूर्ति जारी है, जबकि उर्वरक संयंत्रों के लिए आपूर्ति छह अप्रैल से औसत खपत के करीब 90 प्रतिशत तक बढ़ाई जाएगी, जिसे आने वाले एलएनजी कार्गो का समर्थन मिलेगा।

मंत्रालय ने बताया कि सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं और देशभर के पेट्रोल पंपों पर पर्याप्त ईंधन उपलब्ध है। साथ ही लोगों से अपील की गई है कि घबराकर खरीदारी न करें और केवल आधिकारिक जानकारी पर भरोसा करें।

द्रमुक का घोषणापत्र 2026 चुनाव का 'सुपरस्टार' है : मुख्यमंत्री स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विरुधुनगर। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने रविवार को द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के चुनाव घोषणापत्र को 2026 के चुनाव का ''सुपरस्टार'' बताते हुए कहा कि वादे तो कोई भी कर सकता है, लेकिन जनता भरोसा सिर्फ उनकी पार्टी के वादों पर करती है। यहां धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन (एसपीए) की एक बड़ी जनसभा को संबोधित करते हुए द्रमुक अध्यक्ष स्टालिन ने कहा, ''छह से 60 वर्ष की आयु तक महिलाओं से लेकर पुरुषों तक, युवाओं से लेकर बुजुर्गों तक- हर कोई द्रमुक के चुनावी घोषणापत्र को पसंद करता है। ऐसा कोई हो ही नहीं सकता जो इसे नापसंद करे।''

उन्होंने यहां एकत्रित लोगों से कहा, ''मैंने इसे 2026 के चुनाव के सुपरस्टार के रूप में पेश किया है।'' मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि किसी वादे की विश्वसनीयता इस बात पर निर्भर करती है कि उसे कौन करता है। उन्होंने कहा, ''लोग केवल द्रमुक के वादे पर ही विश्वास करते हैं। बाकी लोग जो भी कहें, उसका कोई महत्व नहीं है।'' स्टालिन ने कई ''सुपरस्टार'' वादों का विस्तृत वर्णन किया, जिनमें सबसे उल्लेखनीय 'इल्लाथरासी' (गृहिणी) योजना है। उन्होंने इसे एक 'उत्कृष्ट घोषणा'' बताया, जिसमें महिलाओं को घरेलू उपकरण खरीदने के लिए 8,000 रुपये का कूपन दिया जाएगा। उन्होंने कहा, ''जहां तक मुझे पता है इस योजना से हमारे परिवार मुखियाओं के घरेलू काम का बोझ काफी कम हो जाएगा। यही इस योजना का मुख्य उद्देश्य है।'' उन्होंने यह भी कहा कि महिलाएं अपनी पसंद की किसी भी दुकान से वॉशिंग मशीन, फ्रिज से लेकर माइक्रो-ओवन तक खरीद सकती हैं।

मुख्यमंत्री ने 'मगलिर उरिमई थोगई' योजना के तहत मिलने वाली मासिक सहायता राशि को 1,000 रुपये से बढ़ाकर 2,000 रुपये करने का भी वादा किया। स्टालिन ने विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए आगामी चुनाव को ''तमिलनाडु टीम'' और ''दिल्ली टीम'' के बीच की लड़ाई बताया।

उन्होंने अन्नाद्रमुक के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी पर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि उनका पूरा चुनाव अभियान ''झूठ एवं निम्न स्तर की बातों'' पर आधारित है। मुख्यमंत्री ने पलानीस्वामी को ''झूठा'' और ''विश्वासघात का प्रतीक'' बताया। स्टालिन ने आरोप लगाया, ''अगर विश्वासघात को कोई नाम दिया जाए तो वह पलानीस्वामी है।'' उन्होंने दावा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री ने अपनी ही पार्टी में जे. जयललिता से लेकर वी के शशिकला और ओ. पनीरसेल्वम तक सभी के साथ विश्वासघात किया है।

मुख्यमंत्री ने पलानीस्वामी के इस आरोप का भी जवाब दिया कि द्रमुक ने सरकारी कर्मचारियों को ''धोखा'' दिया है। उन्होंने कहा, अगर हमने उन्हें धोखा दिया होता, तो क्या सरकारी कर्मचारी संघ के पदाधिकारी फोर्ट में मुझसे मिलने आते, धन्यवाद देते और मुझे मिठाई खिलाते?'' उन्होंने आरोप लगाया कि पलानीस्वामी द्रमुक की कल्याणकारी योजनाओं के सफल क्रियान्वयन से पैदा हुई ''असहनीय निराशा'' के कारण ऐसे बयान दे रहे हैं।

स्टालिन ने चेतावनी दी कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) का मुख्य उद्देश्य तमिलनाडु के ''विकास को रोकना'' है। उन्होंने मतदाताओं से विरुधुनगर, शिवकाशी और अरुप्पुकोट्टई विधानसभा क्षेत्रों में एसपीए उम्मीदवारों का समर्थन करने की अपील की, ताकि ''द्रविड़ मॉडल'' की शासन व्यवस्था जारी रह सके। उन्होंने वादा किया, ''हम द्रविड़ मॉडल 2.0 शासन में अपने ही रिकॉर्ड तोड़ते हुए सरकार चलाएंगे।'' तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव 23 अप्रैल को होगा।

हमें निर्णायक जीत हासिल करके दिल्ली 'टीम' को घर वापस भेजना होगा : उदयनिधि

विरालीमलै (तमिलनाडु)। द्रमुक नेता व तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने कहा कि 23 अप्रैल को होने वाला चुनावी मुकाबला राज्य की स्वायत्तता के लिए एक निर्णायक लड़ाई है, और उन्होंने 'दिल्ली टीम'' को घर वापस भेजने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ''यह चुनाव दिल्ली टीम और तमिलनाडु टीम के बीच की जंग है।''

उदयनिधि ने कहा, हम तमिलनाडु की टीम हैं... हमें निर्णायक जीत हासिल करके दिल्ली टीम को वापस वहीं भेजना होगा, जहां से वे आए थे। पुदुकोट्टई जिले के विरालीमलै विस क्षेत्र में एक विशाल रैली को संबोधित करते हुए, उन्होंने मतदाताओं से आग्रह किया कि वे उस रिमोट कंट्रोल' को तोड़ दें जिसका इस्तेमाल केंद्र सरकार तमिलनाडु को नियंत्रित करने के प्रयास में कर रही है। उदयनिधि ने मौजूदा विधायक और अन्नाद्रमुक उम्मीदवार सी विजयभास्कर को ड्रामा कंपनी का ''अभिनेता'' बताया और कहा कि वह सीबीआई और ईडी द्वारा धमकाए जा रहे ''गुलाम समूह'' का हिस्सा हैं।

प्रधानमंत्री ने किया संगीतकार रमेश विनायकम से मुलाकात का जिक्र

'गमक बॉक्स नोटेशन सिस्टम' को सराहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को चुनावी यात्रा के बीच चेन्नई में प्रसिद्ध संगीतकार रमेश विनायकम और उनके परिवार से मुलाकात कर भारतीय संगीत को वैश्विक मंच पर ले जाने के उनके प्रयासों की सराहना की। यह जानकारी पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पोस्ट के जरिए दी।

प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, चुनाव प्रचार के दौरान मुझे चेन्नई में रमेश विनायकम और उनके परिवार से मिलने का अवसर मिला। रमेश विनायकम एक संगीतकार हैं और उन्होंने अपना पूरा जीवन भारतीय संगीत को लोकप्रिय बनाने के लिए समर्पित कर दिया है। उन्होंने मुझे 'गमक बॉक्स नोटेशन सिस्टम' तैयार करने के अपने काम की एक झलक दिखाई। भारतीय संगीत को दुनिया तक पहुंचाने का यह एक बेहद ही अभिनव तरीका है। गमक बॉक्स नोटेशन सिस्टम एक विजुअल नोटेशन तकनीक है, जो भारतीय संगीत के सूक्ष्म अलंकारों को समझने और सिखाने में मदद करती है। किसी स्वर को सीधे न गाकर उसे हिलाकर, मोड़कर या सजाकर गाने को गमक कहते हैं। रमेश विनायकम एक प्रसिद्ध भारतीय संगीतकार, गायक, गीतकार और संगीत शोधकर्ता हैं। वे मुख्य रूप से तमिल और तेलुगु फिल्म उद्योगों में अपने काम के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने 12 साल की उम्र में अपना पहला गाना लिखा और संगीतबद्ध किया था। उनके पिता, श्री विनायकम उनके पहले गुरु थे।

'करुणानिधि को ''नजरबंद'' रखे जाने के दावे की जांच कराई जाएगी'

तिरुवन्नामलाई। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) प्रमुख ई.के. पलानीस्वामी ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन से शनिवार को कहा कि वह अपना गुस्सा उनके बजाय पार्टी के नेता ए. राजा पर निकालें जिन्होंने उनके पिता एम. करुणानिधि को उनके जीवन के अंतिम दिनों में ''घर में नजरबंद'' रखे जाने संबंधी कथित टिप्पणी की है। पलानीस्वामी ने कहा कि 23 अप्रैल के चुनाव के बाद अन्नाद्रमुक की सरकार बनने पर वह इस बयान संबंधी वायरल ऑडियो की राज्य स्तर पर जांच कराए जाने का आदेश देंगे।

इस मुद्दे पर अपनी पहले की टिप्पणियों का जिक्र करते हुए पलानीस्वामी ने कहा कि उन्होंने केवल उस वायरल ऑडियो का हवाला दिया था, जिसमें द्रमुक (द्रविड़ मुनेत्र कषगम) के उप महासचिव ए. राजा ने कथित तौर पर दावा किया था कि स्टालिन ने अपने पिता को अंतिम दिनों में घर में नजरबंद रखा था। पलानीस्वामी ने जिले में एक चुनावी रैली के दौरान कहा कि ''स्टालिन के बड़े भाई और पूर्व केंद्रीय मंत्री एम.के. अलागिरि भी यह कह चुके हैं कि मेरे पिता को कैदी की तरह रखा गया।''

उन्होंने कहा, ''स्टालिन, अपना गुस्सा मुझ पर मत उतारिए, इसे अपने उप महासचिव और पूर्व केंद्रीय मंत्री ए. राजा पर निकालिए जिन्होंने वह ऑडियो जारी किया जो वायरल हो गया। मैंने सिर्फ उसी बात का जिक्र किया जो राजा ने अपने ऑडियो संदेश में कही थी। इसमें नाराज होने की क्या बात है? अपना गुस्सा राजा पर दिखाइए, वह सच बता देंगे। मुझ पर नाराजगी दिखाने से कोई फायदा नहीं है।''

पूर्व मुख्यमंत्री जे. जयललिता की 2016 में हुई मौत और 75 दिन तक उनके अस्पताल में भर्ती रहने की जांच कराने को लेकर 2021 विधानसभा चुनाव से पहले किए स्टालिन के वादे का जिक्र करते हुए पलानीस्वामी ने कहा, ''आपने कहा था कि पूर्व मुख्यमंत्री की मौत की जांच कराएंगे। करुणानिधि भी पूर्व मुख्यमंत्री थे। अन्नाद्रमुक, राजा के ऑडियो की राज्य स्तर पर जांच कराएगी और उचित कानूनी कार्रवाई करेगी।'' हालांकि, मुख्यमंत्री ने इस आरोप को निराधार और आपत्तिजनक करार देते हुए पलानीस्वामी को आगाह किया कि वह अपनी आलोचना को मुख्यमंत्री के रूप में उनके कामकाज तक सीमित रखें। स्टालिन ने कहा कि उनके पिता उम्र से जुड़ी बीमारियों के कारण आराम कर रहे थे और पलानीस्वामी ने सारी सीमाएं पार कर दी हैं।

तमिलनाडु और केरल में धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया ईस्टर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/तिरुवनंतपुरम। तमिलनाडु और केरल में रविवार को ईस्टर का त्योहार धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया। प्रभु ईसा मसीह के पुनर्जीवित होने की खुशी में दोनों राज्यों के गिरजाघरों में आयोजित विशेष प्रार्थना सभाओं में हजारों लोग शामिल हुए। दोनों राज्यों में आधी रात और सुबह की विशेष प्रार्थना सभाएं आयोजित की गईं। इस अवसर पर चेन्नई के सैंथोम बेसिलिका से लेकर वेलंकन्नी स्थित 'बेसिलिका ऑफ आवर लेडी ऑफ गुड हेल्थ' चर्च में सैकड़ों श्रद्धालु इकट्ठा हुए।

केरल के तिरुवनंतपुरम में आर्कबिशप थॉमस जे नेट्टो ने पलायम स्थित 'सेंट जोसेफ मेट्रोपॉलिटन कैथेड्रल' में आधी रात की प्रार्थना सभा का नेतृत्व किया, जबकि सिरो-मलंकरा कैथोलिक चर्च के प्रमुख कार्डिनल बेसिलियोस क्लेमिस ने पट्टम के सेंट मैरी कैथेड्रल में सेवा कार्य की अध्यक्षता की। कार्डिनल क्लेमिस ने अपने संबोधन में लोगों से आगामी विधानसभा चुनाव में जिम्मेदारी से मतदान करने का आग्रह किया। सिरो-मालाबार चर्च के मेजर आर्कबिशप मार राफेल थट्टिल ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर चिंता व्यक्त करते हुए प्रभावित लोगों के प्रति शांति और एकजुटता का आह्वान किया।

ईस्टर, ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाए जाने के बाद उनके पुनर्जीवित होने की स्मृति और मृत्यु पर उनकी जीत का प्रतीक है। चेन्नई में शनिवार रात 11.30 बजे बेसिलिका में 'पास्कल विजिल मास' से उत्सव की शुरुआत हुई। जलती मोमबत्तियों के साथ हजारों श्रद्धालुओं ने ईसा मसीह को याद किया। इसके अलावा, चेन्नई के सैंथोम बेसिलिका और सेंट जॉर्ज कैथेड्रल में भी हजारों श्रद्धालुओं ने ईस्टर विजिल प्रार्थना सभा में भाग लिया। आर्कबिशप जॉर्ज एंटोनिसामी ने मध्यरात्रि सेवा का नेतृत्व किया, जिसमें 'पास्कल फायर' के साथ मृत्यु पर जीवन की विजय का प्रतीक दर्शाया गया। मदुरै और तूतुकुड़ी के गिरजाघरों में भी श्रद्धालुओं ने विश्व शांति और सामुदायिक सद्भाव के लिए प्रार्थना की।

टीवीके प्रमुख विजय ने नए चुनावी हलफनामे में दो लंबित आपराधिक मुकदमों का खुलासा किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) प्रमुख विजय ने 23 अप्रैल को होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए निर्वाचन अधिकारी के समक्ष दाखिल किए नए हलफनामे में दो लंबित आपराधिक मुकदमों का खुलासा किया है। अभी जांच का सामना कर रहे विजय ने पहले दाखिल किए चुनावी हलफनामे में कोई लंबित आपराधिक मामला नहीं बताया था।

सूत्रों के अनुसार, तीन अप्रैल को नोटरी द्वारा सत्यापित यह नया हलफनामा चार अप्रैल को एक प्रतिनिधि के माध्यम से जमा किया गया। इसमें चेन्नई और मदुरै के दो मामलों का उल्लेख है, जो 30 मार्च को नोटरी द्वारा सत्यापित किए गए पिछले दस्तावेज में शामिल नहीं थे। नए हलफनामे में विजय ने चेन्नई के के-5 पेरावल्लूर थाने में दर्ज प्राथमिकी संख्या 74/2026 का जिक्र किया है, जो 30 मार्च को चुनाव प्रचार के दौरान कथित रूप से सार्वजनिक अशांति फैलाने से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस मामले की जानकारी दो अप्रैल को सोशल मीडिया के माध्यम से मिली। दूसरी प्राथमिकी संख्या 108/2025 मदुरै जिले के कूडाकोविल थाने में दर्ज है, जो 21 अगस्त 2025 को एक पार्टी सम्मेलन के दौरान हुई घटना से संबंधित है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि नेता के पास पहुंचने की कोशिश के दौरान बाउंसरों ने उसे धक्का दिया, जिससे वह घायल हो गया। हालांकि विजय ने कहा कि उन्हें अब तक इस मामले में कोई औपचारिक समन नहीं मिला है। हलफनामे में जहां आपराधिक मामलों में बदलाव हुआ है, वहीं वित्तीय विवरण लगभग समान रहे।

नए हलफनामे में विजय की चल संपत्ति लगभग 410.59 करोड़ रुपये बताई गई है, जबकि पहले यह 404.58 करोड़ रुपये थी। इसमें 15 लाख रुपये के चांदी के सामान और 883 ग्राम सोने के आभूषण (मूल्य 1.20 करोड़ रुपये से अधिक) शामिल हैं। उनकी अचल संपत्ति, जिनमें नीलांकरई और सलीग्रामम जैसे क्षेत्रों में व्यावसायिक और आवासीय भवन शामिल हैं, का कुल बाजार मूल्य लगभग 220.15 करोड़ रुपये आंका गया है।

टीवीके नेता ने 2024-25 वित्त वर्ष के लिए 184.53 करोड़ रुपये की कुल आय घोषित की है। उन्होंने विभिन्न आकलन वर्षों के लिए लगभग 3.44 करोड़ रुपये के लंबित आयकर बकाये का भी उल्लेख किया, जो फिलहाल अपील के तहत हैं। विजय पेरंबूर और तिरुचिरापल्ली पूर्व विधानसभा सीट से चुनाव लड़ रहे हैं।

पुडुचेरी में रंगासामी को कल्याणकारी योजनाओं के दम पर पांचवीं बार मुख्यमंत्री बनने का भरोसा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुडुचेरी। पुडुचेरी में नौ अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री एन. रंगासामी पांचवें कार्यकाल के लिए चुनावी मैदान में हैं और उनकी पार्टी अखिल भारतीय एन.आर. कांग्रेस (एआईएनआरसी) सत्ता में वापसी के लिए सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को प्रमुख आधार बनाकर प्रचार कर रही है। रंगासामी थट्टनचावडी तथा मंगलम निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव मैदान में हैं। एआईएनआरसी-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार को सादगीपूर्ण छवि के लिए जाने जाने वाले 75 वर्षीय रंगासामी की लोकप्रियता के दम पर चुनाव जीतने और सत्ता बरकरार रखने का भरोसा है। सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहने वाले रंगासामी पांचवें कार्यकाल के लिए चुनावी रण में हैं।

उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में अपनी सरकार की कल्याणकारी पहलों का जिक्र किया, जिनमें 11वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों को मुफ्त लैपटॉप वितरित करना भी शामिल है। उन्होंने कहा, ''हम अपने बच्चों का सहयोग करने के लिए वह सब करेंगे जो जरूरी है ताकि वे अच्छी तरह पढ़ सकें और जीवन में आगे बढ़ें।'' यह पूछे जाने पर कि अगर उनका गठबंधन चुनाव जीतता है और सत्ता बरकरार रखता है तो क्या महिलाओं के लिए 2,500 रुपये मासिक वित्तीय सहायता योजना का दायरा बढ़ाया जाएगा, उन्होंने कहा, ''हम अभी 73,000 महिलाओं को यह सहायता दे रहे हैं और चुनाव जीतने के बाद सभी जरूरतमंद महिलाओं को यह सहायता दी जाएगी, इसके लिए कोई ऊपरी सीमा या अधिकतम सीमा नहीं है।''

महिलाओं के लिए नकद सहायता रंगासामी के नेतृत्व वाली एआईएनआरसी-भाजपा सरकार की उन कई पहलों एवं कल्याणकारी कदमों में से एक है, जिनके सहारे उसे चुनाव जीतने का भरोसा है। एआईएनआरसी के नेता आमजन से मुलाकात कर अपनी गठबंधन सरकार की ''उपलब्धियों'' का प्रचार कर रहे हैं। पार्टी कार्यकर्ता बता रहे हैं कि जब संपत्तियों का पंजीकरण महिलाओं के नाम किया जाता है, तो स्टांप शुल्क में 50 प्रतिशत की छूट दी जाती है।

सत्तारूढ़ एन.आर. कांग्रेस दिव्यांगजन के लिए 3,000 रुपये मासिक सहायता, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (एससी/एसटी) के छात्रों एवं अन्य के लिए शैक्षणिक नकद सहायता, फेंगल' चक्रवात राहत के रूप में प्रत्येक राशन कार्ड पर 5,000 रुपये की सहायता और गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) के परिवारों एवं वृद्धावस्था पेंशन पाने वालों के लिए इसी तरह की विभिन्न सहायता योजनाओं के आधार पर प्रचार अभियान चला रही है। पार्टी कार्यकर्ता एस. सरवनन ने कहा, हमारी सरकार सरकारी एवं राज्य से सहायता प्राप्त विद्यालयों के छात्रों को चिकित्सा पाठ्यक्रमों में 10 प्रतिशत आरक्षण देती है, क्या देश में कहीं कोई दूसरी सरकार इतनी सुविधा देती है? तमिलनाडु भी केवल 7.5 प्रतिशत आरक्षण देता है।''

भले ही सत्तारूढ़ पार्टी को अपनी कल्याणकारी योजनाओं के सहारे चुनाव जीतने का भरोसा है लेकिन उसकी राह आसान नहीं है। विपक्षी दल मुख्य रूप से नकली दवाओं के मामले को उठाकर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं, वहीं स्थानीय लोग रोजगार की दिक्कतों'' समेत कई परेशानियों का हल चाहते हैं। रंगासामी ने आठ राज्यों को आपूर्ति से जुड़े कथित नकली दवा निर्माण घोटाले के बारे में कहा, मामले की जांच जारी है। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) इसकी जांच कर रहा है और मुझे नहीं लगता कि ऐसे किसी विषय पर टिप्पणी करना उचित होगा जिसकी जांच अभी पूरी नहीं हुई है।

द्रमुक सांसद राजा ने ऑडियो क्लिप को लेकर यूट्यूब चैनल को कानूनी नोटिस भेजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के वरिष्ठ नेता ए राजा ने उनसे जुड़ी एक विवादित ऑडियो क्लिप को लेकर एक यूट्यूब चैनल को कानूनी नोटिस जारी किया और दावा किया कि यह रिकॉर्डिंग कृत्रिम मेधा (एआई) का इस्तेमाल कर बनाई गई फर्जी रचना है, जिसमें चुनिंदा हिस्सों को जोड़कर भ्रामक तरीके से पेश किया गया है।

उन्होंने अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव ई.के. पलानीस्वामी की भी आलोचना की और कहा कि उन्होंने इस अप्रमाणित ऑडियो क्लिप का सहारा लेकर द्रमुक के दिवंगत नेता एम. करुणानिधि और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन के खिलाफ मानहानिकारक टिप्पणियां कीं। राजा ने शनिवार को सोशल मीडिया पर कड़े शब्दों में कहा कि यह ऑडियो एआई तकनीक का इस्तेमाल कर गढ़ी गई है, ताकि उनके कथनों को तोड़-मरोड़कर गलत ढंग से पेश किया जा सके। लोकसभा सदस्य ने कहा, ''ऑडियो क्लिप को इस तरह प्रसारित किया गया मानो मैंने ही बोला हो। इसे काट-छांट कर कृत्रिम मेधा का उपयोग करके बनाया गया है ताकि एक झूठी कहानी गढ़ी जा सके। मैंने इस संबंध में अपने वकील के माध्यम से कानूनी नोटिस भेजा है।'' राजा ने कहा कि चुनावी फायदे के लिए इस रिकॉर्डिंग का सहारा लेना पलानीस्वामी की ''अशोभनीय और अनैतिक राजनीति'' को दर्शाता है।

हाल ही में सोशल मीडिया पर सामने आए विवादित ऑडियो क्लिप में राजा कथित तौर पर द्रमुक नेतृत्व और पार्टी के आंतरिक गठजोड़ के बारे में अपमानजनक टिप्पणियां करते सुनाई दे रहे हैं। दो हिस्सों में प्रसारित इन क्लिप में यह संकेत देने की कोशिश की गई है कि मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन नेतृत्व के लिए उपयुक्त नहीं हैं, और इनमें 2जी स्पेक्ट्रम मामले से जुड़े संवेदनशील दावे भी शामिल बताए गए हैं।

वीसीके प्रमुख थिरुमावलवन ने चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया

चेन्नई। विदुथलाई चिरुथाइगल काची (वीसीके) के संस्थापक थोल थिरुमावलवन ने घोषणा की है कि वे आगामी तमिलनाडु विधानसभा चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने कट्टुमन्नारकोइल से नामांकन भरने के कुछ दिनों बाद ही चुनाव से अपना नाम वापस ले लिया। थिरुमावलवन ने शनिवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों से कहा,'' मैं विधानसभा जाना चाहता था, लेकिन द्रमुक गठबंधन की एकजुटता सुनिश्चित करने के लिए मैंने अब अपना इरादा बदल लिया है।''

इससे पहले वीसीके के संस्थापक ने कट्टुमन्नारकोइल निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने के अपने इरादे की घोषणा की थी। चिदंबरम से सांसद ने पुष्टि की है कि उन्होंने कट्टुमन्नारकोइल सीट से नामांकन दाखिल नहीं करने का फैसला किया है ताकि उन अटकलों का खंडन किया जा सके कि वे ''त्रिशंकु विधानसभा'' की आशंका जता रहे थे। उनकी पार्टी ने इस निर्वाचन क्षेत्र से दिवंगत दलित नेता एल. इलैयापेरुमल के पुत्र जोतिमणि को उम्मीदवार बनाया है। थिरुमावलवन ने सभी अफवाहों पर विराम लगाते हुए कहा, ''जैसे ही मैंने कहा कि मैं चुनाव लड़ने जा रहा हूं, लोगों ने तरह-तरह के कयास लगाने शुरू कर दिए कि मैं गठबंधन सरकार बनाने की कोशिश में सांसद पद छोड़कर विधायक बन रहा हूं और मेरी इच्छा उपमुख्यमंत्री बनने की है।'' उन्होंने मौजूदा विधायकों को सीट न देने के विवाद पर भी बात की। वीसीके प्रमुख ने स्पष्ट किया कि चार में से तीन विधायकों को बदलना एक रणनीतिक कदम था, न कि किसी ''द्रमुक समर्थक'' रुख। वीसीके द्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन के तहत आठ सीट पर चुनाव लड़ रही है। राज्य में विधानसभा की 234 सीट के लिए चुनाव 23 अप्रैल को होंगे।

शिरकत

भीलवाड़ा में जिला एवं सेशन न्यायालय परिसर में न्यायालय के नवीन परिसर के भूमि पूजन कार्यक्रम तथा जिला बार एसोसिएशन के नव-निर्वाचित पदाधिकारियों के शपथ ग्रहण समारोह में शिरकत करती उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी।

पेयजल और सिंचाई के पानी की उपलब्धता बढ़ी, ग्रामीणों-किसानों की चिंता हुई कम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर।भौगोलिक दृष्टि से देश के सबसे बड़े राज्य राजस्थान में कम वर्षा, अनियमित मॉनसून, भूजल के अत्यधिक दोहन और मरुस्थलीय क्षेत्र की अधिकता के कारण जल संसाधनों की कम उपलब्धता सबसे बड़ी चुनौती है। ऐसे में वर्षा के जल को व्यर्थ नहीं बहने देना और उसे भविष्य के लिए सहेजना ही एकमात्र उपाय है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में पुनर्जीवित कर चलाए जा रहे 'मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0' के जरिए हजारों गांवों के लाखों परिवारों को राहत पहुंचाई जा रही है। राज्य सरकार का लक्ष्य जल संकट से प्रभावित सभी गांवों को चरणबद्ध तरीके से कवर कर जल के मामले में आत्मनिर्भर बनाना है।

'मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0' से जल संरक्षण, भूजल पुनर्भरण और ग्रामीण आजीविका सुदृढ़ीकरण का समग्र मॉडल प्रस्तुत किया जा रहा है। वर्षा जल के अधिकतम संचयन के लिए एनिकट, चेक डैम, तालाब एवं जोहड़ का निर्माण किया जा रहा है, साथ ही पुराने जल स्रोतों की मरम्मत कर पुनर्जीवित किया जा रहा है। वहीं भूजल स्तर में सुधार के लिए कुएं बनाए जा रहे हैं और सूखे बोरवेल को रिचार्ज पिट में बदला जा रहा है। इसी का परिणाम है कि कई स्थानों पर भूजल स्तर में सुधार हुआ है और गांवों में पेयजल एवं सिंचाई के लिए जल उपलब्धता बढ़ने लगी है। इसके अलावा कृषि उत्पादकता और हरित आवरण में वृद्धि, मिट्टी का कटाव कम होने और जैव विविधता में सुधार होने के साथ ही स्थानीय स्तर पर रोजगार और आय के अवसर बढ़ रहे हैं।

बजट 2024-25 में घोषित इस अभियान के लिए कुल 11 हजार 200 करोड़ रुपए का बजट रखा गया। जिससे 20 हजार गांवों में 5 लाख वाटर हार्वेस्टिंग स्ट्रक्चर्स बनाए जाने का लक्ष्य रखा गया। अभियान के पहले चरण में 349 पंचायत समितियों के 5 हजार 135 गांवों में कार्य करवाए गए। वहीं 1 लाख 10 हजार से अधिक कार्यों के लक्ष्य के विरुद्ध 1 लाख 16 हजार से अधिक कार्य किए जा चुके हैं। जिन पर 2 हजार 500 करोड़ रुपए व्यय किए गए हैं।

इसी प्रकार दूसरे चरण में 337 पंचायत समितियों में एक लाख से अधिक कार्य करवाने का लक्ष्य रखा गया। जिसके विरुद्ध 2 हजार 880 करोड़ रुपए के 1 लाख 4 हजार से अधिक कार्यों का अनुमोदन किया जा चुका है। इनमें से 1 हजार 48 करोड़ से अधिक के 45 हजार से ज्यादा कार्यों की स्वीकृतियां जारी हो चुकी हैं। इस चरण में अब तक 148 करोड़ रुपए से ज्यादा व्यय कर 8 हजार से ज्यादा कार्य पूरे किए जा चुके हैं और शेष कार्यों पर तेजी से काम जारी है। वहीं, बजट 2026-27 में इस अभियान के तृतीय चरण के तहत 2 हजार 500 करोड़ रुपए की लागत से 5 हजार गांवों में 1 लाख 10 हजार कार्य करवाने की घोषणा की गई है।

जनकल्याण के लिए चलाए जा रहे 'मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान 2.0' में जनभागीदारी के लिए ग्राम पंचायतों की सक्रिय भूमिका तय की गई है। कार्यों की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए ग्राम स्तर पर निगरानी समितियों का गठन किया है। स्वयंसेवी संगठनों के साथ सीएसआर के तहत निजी कंपनियों का सहयोग भी लिया जा रहा है, जिससे सरकारी खर्च में भी कमी आई है। योजना को प्रभावी बनाने के लिए आधुनिक तकनीकों जैसे जीआईएस आधारित मैपिंग, ड्रोन सर्वे, जल संरचनाओं के डिजिटल रिकॉर्ड का उपयोग किया जा रहा है, जिससे योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और सतत निगरानी सुनिश्चित हुई है। वहीं, इस अभियान के जल जीवन मिशन, कर्मभूमि से मातृभूमि जैसी अन्य योजनाओं से समन्वय के कारण संसाधनों का बेहतर उपयोग और व्यापक प्रभाव सुनिश्चित हुआ है।

बिना अनुमति प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश करने के आरोप में विदेशी नागरिक हिरासत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के बीकानेर जिले में भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास 40 वर्षीय डेनमार्क नागरिक को बिना अनुमति प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश करने के आरोप में हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि खाजूवाला क्षेत्र की हॉस्पिटल रोड पर संदिग्ध परिस्थितियों में रिने नामक विदेशी नागरिक को देखा गया। स्थानीय लोगों ने पुलिस को इसकी सूचना दी। सहायक उपनिरीक्षक किशन सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम मौके पर पहुंची और क्षेत्र की संवेदनशीलता को देखते हुए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) तथा अन्य सुरक्षा एजेंसियों को सूचित किया। संयुक्त पूछताछ में उसके पास से कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई।

प्रारंभिक पूछताछ में रिने ने बताया कि वह सात महीने पहले एक वर्ष के पर्यटक वीजा पर भारत आया था। बीकानेर के पुलिस अधीक्षक मृदुल कच्छावा ने बताया, विदेशी नागरिक को विस्तृत पूछताछ के लिए संयुक्त पूछताछ केंद्र (जेआईसी) बीकानेर भेजा गया है। उसके पासपोर्ट विवरण की जांच की जा रही है और संबंधित दूतावास से संपर्क करने के प्रयास किए जा रहे हैं। पुलिस ने कहा कि खाजूवाला एक संवेदनशील सीमा क्षेत्र है जहां विदेशी नागरिकों के लिए पूर्व अनुमति अनिवार्य है। प्रारंभिक पूछताछ से पता चला है कि वह प्रतिबंधों की जानकारी के अभाव में वहां पहुंचा होगा। हालांकि, सभी पहलुओं की जांच की जा रही है।

भाजपा सरकार की उदासीनता के कारण 'राजीव गांधी फिनटेक डिजिटल इंस्टीट्यूट' का निर्माण अधर में : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को आरोप लगाया कि जोधपुर में प्रस्तावित 'राजीव गांधी फिनटेक डिजिटल इंस्टीट्यूट' का निर्माण भाजपा सरकारों (केंद्र और राज्य) की उदासीनता के कारण विलंबित हो गया है।

उन्होंने परियोजना को शीघ्र पूरा करने की अपील की। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गहलोत ने एक बयान में कहा कि यह संस्थान राजस्थान के युवाओं को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और साइबर सुरक्षा जैसी उभरती तकनीकों में विश्वस्तरीय प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से परिकल्पित किया गया था, जिसकी नींव उनके कार्यकाल में रखी गई थी। उन्होंने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि संस्थान, जिसे मार्च 2024 तक पूरा होना था, अब राज्य सरकार की निष्क्रियता के कारण अधर में लटका हुआ है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि केंद्र ने पहले वित्त आयोग की सिफारिशों के बावजूद 400 करोड़ रुपये की राशि देने से इनकार कर दिया था और वर्तमान राज्य सरकार ने परियोजना की गति धीमी कर दी है। गहलोत ने कहा कि जनकल्याणकारी परियोजनाओं में राजनीतिक कारणों से बाधा नहीं आनी चाहिए क्योंकि इससे राज्य की प्रगति और युवाओं के कौशल विकास पर असर पड़ता है। उन्होंने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से कार्य को तेज करने और संस्थान को जल्द शुरू कराने की अपील की, ताकि राज्य के युवा तेजी से बदलती तकनीकों के साथ कदम मिला सकें। 'राजीव गांधी फिनटेक डिजिटल इंस्टीट्यूट' को राजस्थान में कौशल विकास और तकनीकी क्षेत्र में रोजगार अवसरों को मज़बूत करने की एक बड़ी पहल के रूप में प्रस्तावित किया गया था।

श्रीगंगानगर से 12 किलोग्राम हेरोइन जब्त, चार लोग हिरासत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के श्रीगंगानगर जिले में सुरक्षा एजेंसियों ने 12 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है, जिसे पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए भारत भेजे जाने का संदेह है। इस मामले में चार लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक हरीशंकर ने कहा, करीब 12 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई है। इसकी अनुमानित कीमत लगभग 60 करोड़ रुपये है। इसे सीमा पार से ड्रोन के जरिये भेजा गया था। चार लोगों को हिरासत में लिया गया है और पूछताछ की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि सीआईडी, स्थानीय पुलिस और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने गुप्त सूचना के आधार पर संयुक्त कार्रवाई की। सुरक्षा एजेंसियों को श्रीकरणपुर क्षेत्र में सीमा पार से तस्करी के प्रयास की जानकारी मिली थी। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों ने सीमा क्षेत्र में तलाशी अभियान चलाया और नाकेबंदी की। अभियान के दौरान रात में ड्रोन से भारतीय क्षेत्र में पैकेट गिराए जाने की जानकारी मिली। अधिकारियों ने बताया कि तलाशी के दौरान लगभग 12 किलोग्राम हेरोइन छोटे पैकेटों में बरामद की गई। पुलिस ने बताया कि पैकेट लेने पहुंचे दो युवकों को मौके पर ही पकड़ लिया गया। पुलिस ने बताया कि शुरुआती जांच के मुताबिक मादक पदार्थ की यह खेप पाकिस्तानी तस्करों द्वारा भेजी गई थी और पंजाब में आपूर्ति की जानी थी।

उदयपुर में 363 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा एलिवेटेड कॉरिडोर, जाम से मिलेगी राहत

जयपुर। केंद्र सरकार ने राजस्थान के उदयपुर जिले में व्यस्त राष्ट्रीय राजमार्ग-48 (एनएच-48) पर यातायात जाम कम करने के लिए 363.89 करोड़ रुपये की लागत से एक एलिवेटेड कॉरिडोर निर्माण को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करते हुए बताया कि यह परियोजना खेरवाड़ा कस्बे में उदयपुररतनपुरशामलाजी खंड पर विकसित की जाएगी, जो राजस्थान को गुजरात से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण मार्ग है। गडकरी ने कहा, खेरवाड़ा कस्बे में एनएच-48 पर 363.89 करोड़ रुपये की लागत से एलिवेटेड कॉरिडोर निर्माण को मंज़ूरी दी गई है। यह परियोजना स्थानीय निवासियों की लंबे समय से लंबित मांग को पूरा करती है। मंत्री के अनुसार, इस परियोजना का उद्देश्य स्थानीय और लंबी दूरी वाले यातायात को अलग करना है, ताकि जाम की समस्या कम हो सके। गडकरी ने कहा कि इस मार्ग पर उदयपुर और अहमदाबाद के बीच भारी वाहनों की आवाजाही रहती है, जिसके कारण अक्सर यातायात जाम लगता है। एलिवेटेड संरचना के कारण यातायात को कस्बे से होकर गुजरने की जरूरत नहीं पड़ेगी, जिससे यात्रा समय घटेगा और मौजूदा सड़कों पर दबाव कम होगा। परियोजना से राजमार्ग पर चिन्हित दुर्घटना संभावित 'ब्लैक स्पॉट्स' का समाधान भी होगा, जिससे सड़क सुरक्षा में समग्र सुधार होगा।

जोधपुर के भीतरी शहर की सड़कों पर होगा महिलाओं का राज, विभिन्न स्वांग रचकर आएँगी तीजणियां

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। पूरी दुनिया में महिलाओं के अनूठे त्योहार के रूप में प्रसिद्ध जोधपुर का धींगा गवर मेला, जिसे बेंतमार मेला भी कहते हैं, का आयोजन रविवार को होगा। रविवार की पूरी रात भीतरी शहर की सड़कों पर महिलाओं का ही राज होगा। इस मेले के लिए इन दिनों तिजणियों का पूजन अंतिम दौर में है। शनिवार को शहर के अलग-अलग मोहल्लों में पूजन हो रहा है। इसमें उत्साह से महिलाएं भाग ले रही हैं। पूजन करने वाली तीजनियों के 16 दिन व्रत रखते हैं। रविवार मेले में अलग- अलग रूप धरने की तैयारियां भी शुरू हो गई है। इसके साथ ही भीतरी शहर में एक दर्जन से ज्यादा स्थानों पर मेले के दिन गवर बैठाने के लिए भी तैयारियां जोरों पर है। गवर को पहनाए जाने वाले सोने से ही उस मोहल्ले की समृद्धि आंकी जाती है। सुनारों की घाटी में सर्वाधिक सोने से सजाया जाता है गवर को :रविवार को शहर के परकोटे के भीतर हर गली मोहल्ले में धींगा गवर

प्रतिमाएं नजर आएंगी। गत वर्ष जालौरी गेट से चांद बावड़ी तक 15 गवर की प्रतिमाएं बैठाई गई। इसके अलावा आडाबाजार, मोती चौक सहित अन्य क्षेत्रों में भी पांच से सात जगह पर गवर थीं, लेकिन सर्वाधिक सोना सुनारों की घाटी की गवर को पहनाया जाता है। यहां 12 से 15 किलो सोने के जेवर पहनाए जाते हैं। इसके अलावा हटड़ियों का चौक में भी सात से आठ किलो सोना पहनाया जाता है। यह गहने मोहल्ले वासी एकत्र करते हैं, जो अगले दिन वापस लौटा दिए जाते हैं। गवर के सामने पूरी रात जिम्मेदार लोग बैठते हैं। 16 दिन का पूजन आज होगा समाप्त :भीतरी शहर के कबूतरों का चौक, नवचौकिया, ब्रह्मपुरी, हाउसिंग बोर्ड, खागल सहित अन्य इलाकों में महिलाएं समूह में पूजन कर रही हैं।

ग्यारह दिन यह महिलाएं बिना नमक के भोजन से व्रत करती हैं और 16 दिन तक पूजा करती हैं। इस पूजन में गवर को माता पार्वती का रूप मान कर पूजन होता है। रेखा मतड़ ने बताया कि माता पार्वती के रूप में गवर का पूजन 16 दिन चलता है। रविवार को व्रत पूरा हो जाएगा। इस पूजन में विधवा महिलाएं भी शामिल होती हैं, लेकिन कुंवारी कन्या यह पूजन नहीं करती हैं। सुहाग के पूजन की निशानी उसके हाथ पर बंधा धागा होता है। विवाह के बाद पूजन कर रही रागिनी शर्मा ने बताया कि इससे पहले वह सिर्फ पूजन देखती थी, इस बार पूजन में शामिल हुई हूं। बहुत ज्यादा खुशी है।

मुलाकात

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला रविवार को राजस्थान के कोटा जिले में अपने चुनाव क्षेत्र के ऑफिस में लोगों से मिलते हुए।

24 वर्षों में 17,675 दृष्टिबाधितों को नेत्रदान से मिली नई रोशनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat&com

जयपुर। नेत्रदान के लिए जागरूक करने में जुटे 'आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान' के प्रयासों के चलते सात राज्यों और 30 शहरों के 17,675 दृष्टिबाधितों को नेत्रदान से नई रोशनी मिली है। नेत्रदान से किसी दृष्टिबाधित व्यक्ति के जीवन को रोशन किया जा सकता है, लेकिन अफसोस की बात है कि लोग नेत्रदान के लिए पर्याप्त रूप से आगे नहीं आ रहे हैं। 'आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान' पिछले 24 वर्षों से लोगों को नेत्रदान के प्रति जागरूक करने का काम कर रही है। सोसायटी की ओर से समय-समय पर सरकारी और निजी अस्पतालों, मंदिरों, कॉलेजों और कार्यालयों में हेल्प डेस्क और शिविर लगाए जाते हैं।

आंकड़ों के अनुसार, सोसायटी ने अपनी स्थापना (2002) से लेकर अब तक पिछले 24 साल में 27,307 कॉर्निया एकत्रित कर 17,675 दृष्टिबाधितों को मुफ्त प्रत्यारोपण के जरिए नई रोशनी दी है। 'आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान' की प्रबंधक प्रियंका स्वामी ने बताया कि राजस्थान के अलावा 30 शहरों और छह राज्यों (उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब, दिल्ली, उत्तराखंड और हरियाणा) में भी कॉर्निया भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि अकेले राजस्थान में तीन लाख से अधिक लोग खराब कॉर्निया के कारण अंधेपन का शिकार हैं, लेकिन भ्रांतियों के कारण अक्सर लोग नेत्रदान के लिए आगे नहीं आते हैं।

'आई बैंक सोसायटी ऑफ राजस्थान' के अध्यक्ष बी।एल। शर्मा ने बताया कि लाखों लोग ऐसे हैं जो अपने जीवन में रोशनी पाने के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं और यह तभी संभव होगा जब लोग नेत्रदान के प्रति जागरूक हों और ज्यादा से ज्यादा नेत्रदान करें। उन्होंने कहा कि कुछ लोग इसका महत्व समझ नेत्रदान करते हैं, लेकिन सामाजिक भ्रांतियों और

कुरीतियों के कारण कई लोग नेत्रदान से पीछे हटते हैं।

शर्मा ने बताया कि कुछ भ्रांतियों की वजह से लोग नेत्रदान से बचते हैं, जिनमें मृत्यु के बाद देह को छेड़ना नहीं चाहिए, नेत्रदान से अगले जन्म में आंखें नहीं मिलेंगी, नेत्रदान से चेहरा विरूपित हो जाता है, प्रत्यारोपण के लिए पूरी आंख को ही निकाल लिया जाता है जैसे भ्रम शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यदि लोग नेत्रदान के लिए आगे आएं तो राजस्थान में तीन लाख का आंकड़ा कम होगा और दृष्टिबाधितों के जीवन का अंधेरापन दूर होगा।

शर्मा ने कहा, इन भ्रांतियों को मिटाने में समय लगेगा, लेकिन हर परिवार और समाज को प्रयास करना चाहिए कि परिवार में मृत्यु के बाद नेत्रदान अवश्य हो। उन्होंने बताया कि राजस्थान में होने वाले 91 प्रतिशत प्रत्यारोपण उनकी संस्था ही करती है, जिसके लिए 16 जिलों में 14 केंद्र स्थापित हैं। उन्होंने बताया कि कॉर्निया प्राप्त कर जयपुर लाया जाता है और उसे यहां प्रत्यारोपण होने लायक बनाया जाता है। इसके बाद विभिन्न जगहों पर वितरित किया जाता है।

प्रियंका स्वामी ने बताया कि राजस्थान के अलावा 30 शहरों और छह राज्यों में भी कॉर्निया भेजा जा रहा है। उन्होंने बताया कि राजस्थान में सात सरकारी अस्पतालों और 25 निजी अस्पतालों में कॉर्निया उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रियंका ने बताया कि जब कॉर्निया प्राप्त किया जाता है तो उसे एक विशेष रसायन में रखा जाता है, ताकि उसकी गुणवत्ता खराब न हो। उन्होंने बताया कि 15 दिन तक कॉर्निया सुरक्षित रहता है, और यदि 15 दिन में कॉर्निया का उपयोग नहीं होता है तो उसे सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज के छात्रों के लिए अनुसंधान हेतु दे दिया जाता है। प्रियंका ने बताया कि मृत्यु के छह से आठ घंटे तक आंखें सुरक्षित रहती हैं और 24 घंटे के भीतर कॉर्निया आई बैंक तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने बताया कि कुछ विशेष परिस्थितियों (जैसे एड्स, हेपेटाइटिस, सर्पदंश, जलने, डूबने आदि) में नेत्रदान संभव नहीं होता।

कॉर्निया लाभार्थी गौरव थापा ने कहा, मैं निर्माण क्षेत्र में काम करता था। मेरी आंख में कंकड़ लगने से आंख खराब हो गई थी। चार महीने बाद ही मेरी शादी थी। एक युवक की दुर्घटना में मौत हो गई तो उनके माता-पिता ने अपने बेटे का नेत्रदान किया, जिसका कॉर्निया मुझे लगा।

उन्होंने बताया, 2011 से लेकर अब तक मेरी आंख एकदम ठीक है। मैं तो यही कहूंगा कि हमें भी मरने के बाद अपने अंगों को दान करना चाहिए ताकि किसी जरूरतमंद के काम आ सके। नेत्रदान करने वाले परिवार के सुनील बैरवा ने बताया, मुझे गर्व महसूस होता है कि मेरा बड़ा भाई किसी की नजर से हमें देख रहा है। हम तो बस यही कहेंगे कि नेत्रदान अवश्य करना चाहिए ताकि किसी दृष्टिबाधित का जीवन रोशन हो सके। आंख में क्रिकेट की बॉल लगने से विकास सैनी की आंखों में अंधेरा छाने लगा। सैनी ने कहा कि वह बड़ा होकर डॉक्टर बनना चाहता था, लेकिन आंख में लगने के कारण तनाव होने लगा कि अब डॉक्टर कैसे बनूंगा।

उन्होंने कहा, ऑपरेशन के बाद जब दिखने लगा तो मुझे सबसे बड़ी खुशी मिल गई। अब मैं अपने सपने को जरूर पूरा करूंगा। कभी अपने अंधेपन से लाचार पवन शर्मा आज कॉर्निया प्रत्यारोपण के बाद खुश हैं और नेत्रदान करने वाले के प्रति आभारी हैं। पवन ने कहा कि आंखों की रोशनी लौटने से जीवन में नई उमंग भर गई है। बॉबी की शादी के तुरंत बाद कॉर्निया की खराबी से छोटे-छोटे कामों पर दूसरों पर निर्भरता ने जिंदगी में कड़वाहड़ घोल दी थी। बॉबी ने बताया, ऑपरेशन के बाद मुझे नई जिंदगी मिली है। मैं अपनी इस खुशी को शब्दों में बयां नहीं सकती।

जनगणना कराने के बाद ही महिला आरक्षण की बात हो: अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने महिला आरक्षण से जुड़े प्रस्तावित विधेयक के आधार पर सवाल उठाते हुए रविवार को कहा कि संसद व राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए सीट आरक्षित करने से पहले नई जनगणना पूरी करना जरूरी है।

यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि किसी भी नीति की नींव सटीक आंकड़ों पर होनी चाहिए और तर्क दिया कि यदि महिला आरक्षण का ढांचा 2011 की जनगणना के पुराने आंकड़ों पर आधारित है, तो वह स्वाभाविक रूप से त्रुटिपूर्ण होगा। उन्होंने कहा, ''दरअसल महिला आरक्षण बिल का तो आधार ही निराधार है। आरक्षण का आधार अगर कुल सीट का एक तिहाई है तो इसका मतलब हुआ कि ये गणित का विषय है और गणित का आधार अंक होते हैं, संख्याएं होती हैं, कोई हवा हवाई बात नहीं। और इस तरह के मामले में संख्या का आधार जनसंख्या होती है, जिसका आधार जनगणना होती है।'' यादव ने कहा, ''जब महिलाओं की जनसंख्या के लिए 2011 के पुराने आंकड़ों को आधार बनाएंगे तो महिला आरक्षण की आधारभूमि ही गलत होगी, जब भूमि में ही दोष होगा तो सच्ची फसल कैसे उगेगी।'' उन्होंने आपत्ति जताते हुए मांग की, इसीलिए हमारी सबसे बड़ी आपत्ति यही है कि पहले जनगणना कराई जाए फिर महिला आरक्षण की बात उठाई जाए।'' सपा अध्यक्ष ने कहा, ''जो सरकार महिलाओं को गिनना नहीं चाहती है, वो भला उन्हें आरक्षण क्या देगी। महिलाओं के साथ भाजपा और उनके संगी-साथी जो धोखा करना चाहते हैं, महिलाओं के साथ वो छलावा हम नहीं होने देंगे। कुल मिलाकर सरकार से हमारा ये कहना है। जब तक जनगणना नहीं, तब तक महिला आरक्षण पर बहस करना नहीं।'' उनकी यह टिप्पणी प्रधानमंत्री मोदी के उस बयान के एक दिन बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि संसद का बजट सत्र तीन दिन के लिए बढ़ा दिया गया है ताकि लोकसभा एव राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने वाले 2023 में पारित कानून को 2029 से लागू किया जा सके।

बृहस्पतिवार को संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने राज्यसभा में कहा था कि सदन जल्द ही एक महत्वपूर्ण विधेयक पर विचार करने के लिए फिर से बैठक करेगा। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के प्रावधान के लिए 2023 में संविधान संशोधन विधेयक (नारी शक्ति वंदन विधेयक) पारित किया गया था, हालांकि इसे परिसीमन की प्रक्रिया के बाद ही लागू किया जा सकता है।

न्यायिक अधिकारियों के घेराव की घटना तृणमूल के 'महाजंगलराज' को दर्शाती है : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मालदा में न्यायिक अधिकारियों के घेराव के मद्देनजर पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रचार रणनीति का रविवार को केंद्र बिंदु बनाया। मोदी ने राज्य की तृणमूल कांग्रेस सरकार पर महा जंगलराज चलाने का आरोप लगाया और 2026 के विधानसभा चुनाव को सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा फैलाए गए भय और भाजपा के भरोसे के बीच सीधा मुकाबला बताया।

मोदी ने पिछले महीने चुनाव की घोषणा के बाद उत्तर बंगाल के कूचबिहार जिले में अपनी पहली चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मालदा घटना का इस्तेमाल भाजपा के दोहरे चुनावी मुद्दों - ''खराब कानून व्यवस्था'' और कथित जनसांख्यिकीय परिवर्तन को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए किया। उन्होंने साथ ही महिलाओं की सुरक्षा और बांग्लादेश से घुसपैठ के मुद्दों को उठाकर तृणमूल कांग्रेस पर हमला किया। मोदी ने कहा, ''कुछ ही दिन पहले, पूरे देश ने देखा है कि मालदा में न्यायिक अधिकारियों को कैसे बंधक बनाया गया था। यह किस तरह की सरकार है, जो न्यायिक अधिकारियों की सुरक्षा और संवैधानिक प्रक्रियाओं को सुनिश्चित नहीं कर सकती? हम ऐसी सरकार से बंगाल की जनता की सुरक्षा की उम्मीद नहीं कर सकते।''

प्रधानमंत्री बुधवार रात मालदा के कालियाचक-दो ब्लॉक कार्यालय में हुई घटना का उल्लेख कर रहे थे, जहां विशेष गहन पुनरीक्षण कवायद के दौरान तैयार की गई मतदाता सूची के मसौदे में विचाराधीन के रूप में चिह्नित नामों पर सुनवाई के दौरान तीन महिलाओं सहित सात न्यायिक अधिकारियों का भीड़ ने कई घंटों तक घेराव किया था। उन्होंने कहा, मालदा में जो हुआ वह तृणमूल कांग्रेस के महाजंगलराज का उदाहरण है'', और आरोप लगाया कि सत्ताधारी पार्टी राज्य में कानून-व्यवस्था का जनाजा निकालने पर तुली हुई है।'' मोदी ने इस चुनावी मुकाबले को दो पक्षों में बांटने की कोशिश की। उन्होंने कहा, ''एक तरफ तृणमूल कांग्रेस का 'भय' है और दूसरी तरफ आपके पास भाजपा का 'भरोसा' है। एक तरफ तृणमूल के भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी का भय है और दूसरी तरफ भाजपा है, जो विकास को गति देती है।'' प्रधानमंत्री ने बंगाल में घुसपैठ और विदेशियों के बसने के भय की तुलना भाजपा के घुसपैठ रोकने और घुसपैठियों को बाहर निकालने के भरोसे से की। उन्होंने कहा, ''एक तरफ बदलती जनसांख्यिकी के कारण अपनी ही धरती पर आजादी खोने का भय है। दूसरी तरफ भाजपा का अपनी ही धरती पर गर्व से सिर ऊंचा करके जीने का भरोसा है।''

बिहार है विकास सूचकांकों में अन्य राज्यों से पीछे : तेजस्वी यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने रविवार को आरोप लगाया कि सभी विकास सूचकांकों में बिहार देश के अन्य राज्यों से पीछे है, लेकिन सत्ताधारी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) विपक्ष पर ठीकरा फोड़कर '21 साल की अपनी विफलताओं पर पर्दा डालने' की कोशिश कर रहा है।

विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने चुनौती दी कि वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और दोनों उपमुख्यमंत्रियों को राज्य के पिछड़ेपन पर सार्वजनिक बहस के लिए चुनौती देते हैं, 'बशर्ते उनमें (इस बात के लिए) नैतिक साहस और क्षमता हो।'

राजद नेता की टिप्पणियों पर कटाक्ष करते हुए जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के विधानपरिषद सदस्य नीरज कुमार ने कहा कि बिहार की जनता ने विधानसभा चुनाव में उन्हें 'खारिज' कर दिया। उन्होंने दावा किया, ''अब कोई भी उनके बयानों पर ध्यान नहीं देता।''

तेजस्वी यादव ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''12 सालों की डबल इंजन सरकार समेत 21 वर्षों की राजग सरकार के बावजूद शिक्षा-रोजगार-आय, औद्योगिक विकास-उत्पादन एवं निवेश तथा स्वास्थ्य सेवा-सुविधा और पोषण से लेकर अधिकांश सामाजिक, मानवीय और आर्थिक संकेतकों में बिहार सबसे निचले पायदान पर है।'' उन्होंने कहा कि 'निष्प्रभावी और अक्षम' सरकार अपनी 'गलत नीतियों और खोखले वादों' के कारण हुई विफलताओं को छुपाने के लिए विपक्ष को हर बात का दोषी ठहराती है।

असम एक सशक्त और गतिशील राज्य के रूप में अग्रसर : खेमचंद सिंह

इंफाल/भाषा। मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह ने रविवार को कहा कि असम में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने बुनियादी ढांचे के विकास और शासन में महत्वपूर्ण प्रगति की है। खेमचंद सिंह ने कहा कि राजग शासन में असम एक मजबूत और गतिशील राज्य के रूप में अग्रसर है।

असम के कछार जिले में उदहारबोंड से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) उम्मीदवार राजदीप गोआला के समर्थन में एक जनसभा को संबोधित करने के बाद वह संवाददाताओं से बात कर रहे थे। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी भारत को आगे ले जा रहे हैं और हिमंत विश्व शर्मा ने असम को बदल दिया है।''

मोदी सरकार ने पश्चिम बंगाल के लोगों को भूखा मार देने के लिए राज्य का बकाया रोक रखा है : अभिषेक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अभिषेक बनर्जी ने रविवार को नरेन्द्र मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस को बार-बार सत्ता में पहुंचाने पर पश्चिम बंगाल के लोगों को भूखा मार देने के लिए उसने पिछले पांच वर्षों से राज्य का बकाया रोक रखा है।

पुरबा बर्धमान जिले के रैना में पार्टी प्रत्याशी मंदिरा डोलुई के समर्थन में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए, तृणमूल महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा कि अगर वह सच नहीं बोल रहे हैं, तो भाजपा सबूतों के साथ उनका खंडन करे और उन्हें जेल भेज दे। उन्होंने कहा, ''केंद्र ने राज्य की परियोजनाओं के लिए एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की बकाया राशि जारी नहीं की है। उसने ऐसा पश्चिम बंगाल के गरीब लोगों को भूखा मारने के लिए किया है, क्योंकि उन्होंने लगातार विधानसभा चुनावों में तृणमूल कांग्रेस को सत्ता में पहुंचाया।'' डायमंड हार्बर के सांसद अभिषेक बनर्जी ने कहा कि लेकिन मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस चुनौती का डटकर सामना किया और ग्रामीण रोजगार के लिए 'कर्मश्री', आवास के लिए 'बंग्लार बारी' और पेयजल आपूर्ति परियोजनाओं जैसी योजनाओं को राज्य के अपने संसाधनों से चलाया।

अभिषेक बनर्जी तृणमूल में पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी के बाद दूसरे नंबर के नेता हैं। पार्टी इस विधानसभा चुनाव में चौथी बार सत्ता में आने की जुगत में लगी है। तृणमूल महासचिव ने श्रोताओं से रूबरू होते हुए कहा, '' तृणमूल कांग्रेस आपके चेहरे पर मुस्कान देखना चाहती है, जबकि मोदी आपकी आंखों में आंसू देखना चाहते हैं क्योंकि आपने लगातार चुनावों में भाजपा को नकार दिया है। आपको भूखा मारने की इस साजिश को लेकर आप बंगाल विरोधी पार्टी को मुंहतोड़ जवाब दें।''

ममता बनर्जी सरकार द्वारा शुरू की गई जनहितैषी कदमों का जिक्र करते हुए अभिषेक बनर्जी ने कहा कि बंगाल की 24 लाख महिलाओं को 'लक्ष्मी भंडार' योजना के तहत हर महीने पैसा मिल रहा है और यह परियोजना जारी रहेगी। उन्होंने कहा, ''केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत हमारे राज्य का पैसा रोके जाने के बाद, दो वर्षों में 'बंग्लार बारी' योजना के तहत 32 लाख लोगों को घर दिए हैं। अगले पांच वर्षों में, हमारी सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि राज्य के वंचित व्यक्तियों के पास रहने के लिए छत हो। मैं भाजपा को चुनौती देता हूं कि अगर मैं झूठ बोलूं तो मुझे जेल में डाल दे।'' उन्होंने भाजपा पर उनके साथ सार्वजनिक रूप से सीधी बहस करने से डरने का आरोप लगाया है।

संभल में सरकारी भूमि पर बने मस्जिद, मदरसे और स्कूल को खुद बुलडोजर से तोड़ रहे ग्रामीण

संभल (उप्र)/भाषा। संभल तहसील क्षेत्र के मुबारकपुर बंद गांव में सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा कर बनाए गए मदरसे-मस्जिद और स्कूल के निर्माण को ग्रामीणों ने रविवार को खुद बुलडोजर से तोड़ना शुरू किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

तहसीलदार धीरेंद्र कुमार सिंह से शनिवार को बताया कि ग्राम प्रधान की ओर से जेसीबी उपलब्ध कराने की मांग की गई थी।

संभल तहसील के गांव मुबारकपुर बंद में रविवार को बुलडोजर पहुंचा और ग्राम सभा की साढ़े तीन बीघा भूमि पर बने ग़ौसुल मदरसा, मस्जिद ओर प्राथमिक स्कूल के अवैध निर्माण को तोड़ना शुरू कर दिया।

ग्राम प्रधान के पति हाजी मुनव्वर ने बताया कि आज जेसीबी की मदद ली गई है जबकि इससे पहले मजदूरों को लगा करके निर्माण को तोड़ा जा रहा था। उन्होंने कहा कि तहसीलदार से जेसीबी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया था।

मुनव्वर ने कहा, ''जेसीबी की मदद से निर्माण को हटाने के लिए 20 घंटे का समय लगेगा। तहसीलदार द्वारा जेसीबी उपलब्ध कराई गई है लेकिन इसके किराये का भुगतान हम करेंगे।''

तहसीलदार सिंह ने बताया कि ग्राम सभा की भूमि पर मस्जिद, मदरसा और स्कूल बना हुआ है, और जैसे ही ग्राम वासियों के संज्ञान में आया कि यह ग्राम सभा की जमीन है तो वे इस निर्माण को खुद ही तोड़ रहे हैं।

ओडिशा सरकार आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को लगभग 80,000 स्मार्टफोन वितरित करेगी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने माताओं और बच्चों के पोषण की प्रभावी निगरानी के उद्देश्य से आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को लगभग 80,000 स्मार्टफोन वितरित करने का निर्णय लिया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि इस परियोजना पर कुल 93 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि ये उपकरण लाभार्थियों के पंजीकरण, दैनिक डेटा प्रविष्टि, पूरक पोषण वितरण की निगरानी और विद्यालय पूर्व शिक्षा सहित कई पोषण अभियान गतिविधियों के कुशल प्रशिक्षण तथा प्रबंधन को सुदृढ़ करेंगे। उन्होंने बताया कि यह निर्णय शनिवार रात राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में लिया गया था। सरकार ने राज्य में हथकरघा क्षेत्र के समग्र विकास के लिए एक नई योजना, मुख्यमंत्री हस्तातंत विकास योजना (एमएचबीवाई) को भी मंजूरी दी।

अधिकारियों ने बताया कि इस परियोजना पर पांच वर्षों में कुल 589.10 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने एक व्यापक बाढ़ प्रबंधन योजना के लिए 2,781 करोड़ रुपए की भी मंजूरी दे दी है, जिसे 2025-26 से 2029-30 की अवधि के दौरान पूरी तरह से राज्य के अपने संसाधनों से वित्त पोषित किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि ओडिशा सरकार ने भुवनेश्वर मेट्रो रेल परियोजना के लिए दिल्ली मेट्रो रेल निगम के साथ हुए समझौते को समाप्त करने का भी निर्णय लिया है। हालांकि, दिसंबर 2025 तक इस परियोजना पर होने वाला 273.51 करोड़ रुपए का खर्च राज्य सरकार वहन करेगी।

जुबिन गर्ग की तरह कांग्रेस भी लोगों को एकजुट करने का काम करती है : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विश्वनाथ चरियाली/गोलाघाट (असम)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी की विचारधारा प्रसिद्ध संगीतकार जुबिन गर्ग जैसी है, जिन्होंने अपना पूरा जीवन असम को एकजुट करने में लगाया।

असम के विश्वनाथ और गोलाघाट जिलों में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा भारत के ''सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री'' हैं और राज्य में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। गांधी ने कहा, ''जुबिन गर्ग ने अपना पूरा जीवन असम के लोगों को एकजुट करने में लगाया, उन्होंने कभी किसी के साथ गलत व्यवहार नहीं किया। कांग्रेस की विचारधारा भी ऐसी ही है, नफरत के खिलाफ प्यार फैलाने की।'' उन्होंने आरोप लगाया कि शर्मा के नेतृत्व वाली राज्य की भाजपा सरकार लोगों और समुदायों के बीच नफरत फैलाने का काम कर रही है। गांधी ने कहा, ''उन्हें कुछ दिन और बोलने दीजिए। इसके बाद असम में कांग्रेस की सरकार बनेगी और कानूनी कार्रवाई होगी, भले ही वह माफी क्यों न मांगें। कांग्रेस सरकार उन्हें 10-15 साल के लिए जेल में डाल देगी।'' उन्होंने आरोप लगाया कि शर्मा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के साथ मिलकर एक ''लैंड एटीएम'' बना रहे हैं, जिसके जरिए जनता की जमीन छीनकर कुछ बड़े उद्योगपतियों को दी जा रही है। उन्होंने कहा कि सिर्फ शर्मा ही नहीं, बल्कि उनके परिवार पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों की भी जांच की जाएगी और उसके अनुसार कार्रवाई होगी। गांधी ने दावा किया कि असम में तीन बड़े कॉरपोरेट घरानों को कुल 98,400 बीघा जमीन दी गई है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया, ''असम में यह जमीन हड़पने वाला एक गिरोह है। लेकिन इन्हें जमीन मुफ्त में नहीं मिलती। ये कॉरपोरेट घराने भाजपा के लिए वित्त पोषण की मशीन हैं।'' भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते का मुद्दा उठाते हुए लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि यह नई दिल्ली के लिए नुकसानदायक है, क्योंकि अमेरिकी सामान पर कर कम कर दिए गए हैं और भारतीय बाजार उनके लिए खोल दिया गया है। उन्होंने दावा किया, ''(अमेरिकी राष्ट्रपति) डोनाल्ड ट्रंप एप्स्टीन फाइल्स के कारण नरेन्द्र मोदी को नियंत्रित करते हैं। 35 लाख फाइल अभी जारी नहीं हुई हैं। ट्रंप को मोदी के राज पता हैं।'' गांधी ने आरोप लगाया कि कृषि क्षेत्र को अमेरिकी कंपनियों के लिए खोल दिया गया है और अमेरिका बता रहा है कि भारत कच्चा तेल कहां से खरीदेगा। उन्होंने कहा, ''नरेन्द्र मोदी ने सारा डेटा भी ट्रंप को सौंप दिया है। इस समझौते में कहा गया है कि भारत को अमेरिका से नौ लाख करोड़ रुपए के सामान खरीदने होंगे। इससे भारत के छोटे उद्योगपति और व्यापारी बर्बाद हो जाएंगे।''

गांधी ने यह भी कहा कि कांग्रेस विकेंद्रीकरण में विश्वास करती है, जबकि भाजपा असम को दिल्ली से चलाने की कोशिश कर रही है। असम में नौ अप्रैल को मतदान होगा, जबकि मतगणना चार मई को होगी।

लखनऊ सुपर जायंट्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को पांच विकेट से हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में रविवार को यहां सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को पांच विकेट से हराया। एसआरएच को नौ विकेट पर 156 रन पर रोकने के बाद एलएसजी ने 19.5 ओवर में पांच विकेट पर 160 रन बनाकर जीत हासिल की। पंत ने एलएसजी के लिए 50 गेंदों में सबसे ज्यादा 68 रन की नाबाद पारी खेली। एडेन मारक्रम ने 45 रन का योगदान दिया। एसआरएच के लिए हर्ष दुबे ने दो, जबकि इशान मलिंगा और शिवांग कुमार ने एक-एक विकेट लिया।

कांग्रेस ने हिमंत की पत्नी के पास तीन पासपोर्ट होने का आरोप लगाया

मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आरोपों को खारिज किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने रविवार को आरोप लगाया कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की पत्नी के पास तीन देशों के पासपोर्ट हैं और उन्होंने उनकी संपत्तियों की जानकारी छिपाई है। भाजपा नेता ने इन आरोपों को दुर्भावनापूर्ण और मनगढ़ंत बताते हुए सिरे से खारिज कर दिया और 48 घंटे के भीतर कानूनी कार्रवाई करने का संकल्प लिया।

असम में नौ अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर प्रचार के चरम पर पहुंचने के साथ ही शर्मा को निशाना बनाते हुए, कांग्रेस के मीडिया और प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने एक प्रेस वार्ता में आरोपों के समर्थन में कथित दस्तावेज दिखाए और निर्वाचन आयोग से चुनाव शपथ पत्र में जानकारी छिपाने के आरोप में उनका नामांकन रद्द करने की मांग की। खेड़ा पर पलटवार करते हुए शर्मा ने कहा कि जब असम ऐतिहासिक जनादेश की ओर निर्णायक रूप से बढ़ रहा है, ऐसे में हताशा में किए गए इस तरह के निराधार हमले केवल कांग्रेस की कमजोर स्थिति को उजागर करते हैं। असम के मुख्यमंत्री ने कहा, ''ये दुर्भावनापूर्ण, मनगढ़ंत और राजनीतिक रूप से प्रेरित झूठ हैं जिनका उद्देश्य असम की जनता को गुमराह करना है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि प्रसारित किए जा रहे दस्तावेजों में कई स्पष्ट विसंगतियां हैं, जो डिजिटल हेरफेर के एक घटिया और खराब ढंग से किए गए प्रयास का संकेत देती हैं।

शर्मा ने कहा कि उनकी पत्नी और वह अगले 48 घंटे के भीतर खेड़ा के खिलाफ 'लापरवाहीपूर्वक मानहानिकारक बयान' देने के लिए आपराधिक और दीवानी दोनों तरह के मानहानि के मामले दर्ज कराएंगे। यहां प्रेस वार्ता में खेड़ा ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री शर्मा और उनकी पत्नी के खिलाफ समय-समय पर कई आरोप लगे हैं, जैसे कि भूमि हड़पना, मंदिर के दान का दुरुपयोग करना और सरकारी सब्सिडी का गबन आदि।

खेड़ा ने कहा, ''हालांकि, जो दस्तावेज हम आज आपके सामने पेश कर रहे हैं, वे भारत की सीमाओं से परे के मामलों से संबंधित हैं। उन्होंने आरोप लगाया, ''असम के मुख्यमंत्री की पत्नी रिनिकी भुइयां शर्मा के पास तीन पासपोर्ट हैं।''

जेल मे बंद नाइजीरियाई कैदी की मौत, 300 करोड़ रुपए के मादक पदार्थ मामले में हुआ था गिरफ्तार

नोएडा (उप्र)/भाषा। गौतमबुद्ध नगर की लुक्सर जेल में बंद नाइजीरियाई कैदी की अस्पताल में इलाज के दौरान रविवार को मौत हो गई। वह किडनी की बीमारी से पीड़ित था। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जेल अधीक्षक बृजेश कुमार सिंह ने बताया कि मृतक सोलोमन (66) और उसके कई साथियों को 2023 के मई में गौतमबुद्ध नगर के थाना बीटा-2 पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने बताया कि इनके पास से करीब 300 करोड़ रुपए कीमत का मादक पदार्थ बरामद हुआ था।

सिंह ने बताया कि कैदी लंबे समय से किडनी की गंभीर बीमारी से ग्रसित था और उसे कई बार अस्पताल में भर्ती कराया जा चुका था। सोलोमन दो दिन पूर्व ही एम्स, दिल्ली से डायलिसिस करवा कर लौटा था। रविवार को सोलोमन की अचानक तबीयत खराब हुई और उसे अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

मतदाता लोगों के नाम हटाने का बदला लेने के लिए मतदान करें : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शमशेरगंज (प.बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को मतदाताओं से उन लोगों की ओर से बदला लेने के लिए मतदान करने का आह्वान किया जिनके नाम एसआईआर प्रक्रिया के तहत मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं।

तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ने उन लोगों से न्यायाधिकरण के समक्ष अपील करने का भी आग्रह किया, जिनके नाम मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। ममता ने अप्रैल 2025 में मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा के केंद्र में रहे शमशेरगंज में आयोजित चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, ''लोगों के नाम हटाए जाने का बदला लेने और एसआईआर के खिलाफ अपना वोट डालें ताकि परिणाम इसे प्रतिबिंबित कर सकें।'' मुख्यमंत्री ने तृणमूल कार्यकर्ताओं से चार मई को मतगणना तिथि तक सतर्क रहने को कहा। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होंगे। उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का स्पष्ट रूप से जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया के दौरान पश्चिम बंगाल में मतदाताओं के नाम हटाने के पीछे उनका हाथ है। बनर्जी ने कहा, ''अगर आपमें हिम्मत है तो सीधे मुकाबला करें।'' उन्होंने चुनाव अवधि के दौरान सभी तृणमूल कार्यकर्ताओं से सतर्क रहने का आह्वान करते हुए बनर्जी ने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि पश्चिम बंगाल के हित में हमारे बूथ एजेंटों में से कोई भी भाजपा के हाथों खुद को नहीं बेचेगा।'' बनर्जी ने आशंका जताई कि कुछ स्थानों पर ईवीएम मशीनों को जानबूझकर खराब किया जाएगा। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे निर्वाचन आयोग के अधिकारियों को मशीनों की मरम्मत न करने दें और इसके बजाय मशीनों को बदलने की मांग करें।

सुविचार

दान केवल धन का नहीं होता; ज्ञान, समय और सहानुभूति का दान भी बहुत बड़ा पुण्य है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

घुसपैठियों को डर क्यों नहीं?

रेलवे सुरक्षा बल ने पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी रोड स्टेशन पर नॉर्थ-ईस्ट एक्सप्रेस ट्रेन से 14 बांग्लादेशियों को गिरफ्तार कर अपना कर्तव्य सजगता से निभाया है। इसके लिए बल के अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना होनी चाहिए। भारत में एक भी घुसपैठिया नहीं रहना चाहिए। क्या हमारे देश ने दुनियाभर के घुसपैठियों को पालने की कोई जिम्मेदारी ले रखी है? इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। अगर एक ट्रेन में इतने बांग्लादेशी भरे हुए हैं तो अन्य ट्रेनों में कितने होंगे? केंद्र सरकार को हर ट्रेन में ऐसा अभियान चलाना चाहिए। इसके लिए खुफिया एजेंसियों की मदद ली जाए। हर स्टेशन पर खुफिया नेटवर्क का विस्तार करते हुए घुसपैठियों पर कड़ी नजर रखी जाए। साथ ही, रेलवे सुरक्षा बल के जवानों को विशेष प्रशिक्षण देकर तैनात किया जाए, ताकि कोई भी घुसपैठिया उनकी नजरों से बच न पाए। जो बांग्लादेशी नागरिक पकड़े गए, उनके पास फर्जी आधार कार्ड और पैन कार्ड पाए गए हैं। यही नहीं, उनके कब्जे से मोबाइल फोन मिले हैं। बड़ा सवाल है- इन्हें फर्जी आधार कार्ड और पैन कार्ड बनाकर किसने दिए? जो लोग इस फर्जीवाड़े में शामिल हैं, क्या वे राष्ट्रीय सुरक्षा से खिलवाड़ नहीं कर रहे हैं? क्या उनका अपराध देशद्रोह के समान नहीं है? घुसपैठियों के पास मोबाइल फोन बहुत खतरनाक हो सकता है। अगर ये लोग ट्रेनों में घूमते हुए विभिन्न स्टेशनों, पुलों, बिजलीघरों, बड़ी नहरों, बांधों और अन्य इलाकों की तस्वीरें लेकर दुश्मन एजेंसियों को भेज दें तो कितना बड़ा जोखिम पैदा हो सकता है? पिछले साल जब ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया गया था, तब भारत के महत्त्वपूर्ण स्थान पाकिस्तान के निशाने पर थे। उस समय जासूसी के आरोप में कई लोग पकड़े गए थे।

क्या बांग्लादेश और म्यांमार से आने वाले घुसपैठियों को आईएसआई अपने फायदे के लिए इस्तेमाल नहीं कर सकती? सवाल यह भी है कि घुसपैठियों को कोई डर क्यों नहीं है? वे भारत में आकर इतनी आसानी से दस्तावेज बनवा लेते हैं, खाली जमीन पर कब्जा कर झुग्गी बना लेते हैं, सरकारी योजनाओं का लाभ उठाते हैं। ऐसे भी मामले आए हैं, जब किसी बांग्लादेशी घुसपैठिए को पकड़कर स्वदेश रवाना किया गया, लेकिन कुछ दिन बाद वह दोबारा आ गया! ये घुसपैठिए चीन जाकर फर्जी दस्तावेज क्यों नहीं बनवाते? ये बीजिंग में जमीन पर कब्जा कर झुग्गी क्यों नहीं बनाते? ये चीन की ट्रेनों में निडर होकर सफर क्यों नहीं करते? इनका एक ही जवाब है- कानून का डर। चीन में घुसपैठियों को बहुत सख्त सजा दी जाती है। जो व्यक्ति इनकी मदद करता है, वह भी सजा के दायरे में आता है। चीन ने अपने भू-भाग पर कैमरों का जाल बिछा रखा है। वहां जो व्यक्ति जमीन पर अवैध ढंग से कब्जा करेगा, उस पर झुग्गी बनाएगा, वह तुरंत एजेंसियों की पकड़ में आ जाएगा। इसके बाद उसकी बढ़िया ढंग से 'खातिरदारी' होगी। क्या हम अपने देश को घुसपैठियों से मुक्त कराने के लिए कोई सख्त कदम नहीं उठा सकते? अभी हर गांव-शहर में सार्वजनिक स्थानों पर कैमरे लगाना संभव नहीं है, लेकिन हर जगह भारतीय नागरिक तो हैं! अगर सरकार इच्छाशक्ति दिखाए तो नागरिक ही उसे जानकारी भेज देंगे। अक्सर खबरें आती हैं- 'फलां शहर में बांग्लादेशी घुसपैठिए पकड़े गए ... उन्हें स्वदेश भेज दिया गया।' क्या यह कोई सजा है? घुसपैठिए पकड़े जाते हैं, कुछ दिनों के लिए जेल जाते हैं, फिर अपने देश भेज दिए जाते हैं। इससे उन्हें क्या नुकसान हुआ? इस बात की क्या गारंटी है कि ये दोबारा नहीं आएंगे? जब तक घुसपैठियों को भारी नुकसान का डर नहीं होगा, यह सिलसिला चलता रहेगा। घुसपैठियों के मन में डर होना ही चाहिए। भारतीय एजेंसियां यह सुनिश्चित करें कि हर घुसपैठिए को पकड़े जाने और सख्त सजा मिलने का डर हो। अन्यथा वे आते रहेंगे और हमारे संसाधनों पर मौज उड़ाते रहेंगे।

ट्वीटर टॉक

आत्मनिर्भरता हर क्षेत्र में दिखाई दे, चाहे रोजगार हो या स्वरोजगार, आवश्यकता है प्रोत्साहन की। यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में स्थानीय आर्थिकी को बढ़ावा देने का जो आह्वान हुआ है, उसे जीवन में अपनाना हम सभी की जिम्मेदारी है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

संसदीय क्षेत्र कोटा स्थित कार्यालय में आज क्षेत्रवासियों से भेंट कर उनकी समस्याएं सुनीं। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक प्रकरण का प्राथमिकता से समाधान हो और लोगों को अनावश्यक प्रतीक्षा न करनी पड़े।

-ओम बिरला

राष्ट्रीय समुद्री दिवस के अवसर पर देश की समुद्री सीमाओं के सजग प्रहरियों और समस्त नाविकों को सादर नमन! छत्रपति शिवाजी महाराज ने सदियों पूर्व जिस सशक्त 'नौसेना' का स्वप्न देखा था, आज आदरणीय प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में वह सपना साकार हो रहा है।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

समय की महत्ता

पद्मभूषण से सम्मानित प्रसिद्ध शिक्षाविद और काशी हिंदू विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर अमरकांत झा समय के बेहद पाबंद थे। एक बार पटना के कुछ साहित्यकारों ने एक साहित्यिक गोष्ठी का आयोजन किया और उसके लिए डॉक्टर साहब को बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित किया। डॉक्टर साहब ने आमंत्रण स्वीकार करते हुए गोष्ठी के आयोजकों से निवेदन किया कि वे गोष्ठी के समय से आधा घंटा पहले किसी को उनके निवास स्थान पर जरूर भिजवा दें। गोष्ठी के दिन निर्धारित समय पर वे तैयार होकर बैठ गए, किंतु उनको लेने आने वाला व्यक्ति करीब एक घंटा देरी से आया और इस देरी का कारण बताते हुए माफी मांगने लगा। जब डॉक्टर साहब ने उसके साथ चलने से मना कर दिया तो वह व्यक्ति गिड़गिड़ाते हुए बोला कि गोष्ठी में आपके न जाने से हमारा सारा प्रोग्राम ही चौपट हो जाएगा। इस पर डॉक्टर साहब बोले, 'आपके प्रोग्राम के चौपट हो जाने का मुझे खेद रहेगा, किंतु गोष्ठी में देरी से पहुंच कर खुद को लेट-लतीफ कहलवाना मुझे बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होगा।'

सामयिक

> यह संकट भारत के सामने एक सीधा सवाल खड़ा करता है-क्या हम अब भी बीसवीं सदी की ऊर्जा सोच में अटके हैं, जबकि दुनिया इक्कीसवीं सदी का युद्ध लड़ रही है? ट्रंप की 48 घंटे की चेतावनी और ईरान के फॉरएवर वॉर ने साफ कर दिया है कि आने वाली लड़ाइयाँ सीमाओं पर नहीं, सप्लाई चेन, समुद्री रास्तों और ऊर्जा स्रोतों पर लड़ी जाएँगी। यदि भारत आयातित तेल के सहारे विकास का सपना देखता रहा, तो हर नया हॉर्मुज संकट उसे और कमजोर करेगा।

हॉर्मुज की आँच में जल सकती है भारत की पूरी विकास यात्रा

प्रो. आरके जैन अरिजीत

दुनिया की अर्थव्यवस्था आज एक पतली समुद्री रेखा पर टिकी है-हॉर्मुज। केवल चालीस किलोमीटर चौड़ा यह जलडमरूमध्य, जहाँ से दुनिया का हर पाँचवाँ तेल टैंकर गुजरता है, अब युद्ध का सबसे खतरनाक मोर्चा बन चुका है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को 48 घंटे की चेतावनी दी है-हॉर्मुज खोलो, समझौता करो, वरना नरक टूट पड़ेगा। तेहरान ने जवाब दिया-फॉरएवर वॉर। यह केवल दो देशों की बयानबाजी नहीं, बल्कि उस वैश्विक ऊर्जा व्यवस्था पर सीधा प्रहार है, जिसके सहारे भारत जैसी अर्थव्यवस्थाएँ चलती हैं। भारत के लिए यह संकट कोई दूर की घटना नहीं, बल्कि पेट्रोल पंप, रसोई गैस, खेत, फैक्टरी और बाजार तक पहुँचने वाला आर्थिक भूचाल है। ट्रंप की धमकी और ईरान की चुनौती ने साफ कर दिया है कि हॉर्मुज अब केवल जलडमरूमध्य नहीं, भारत की ऊर्जा सुरक्षा की सबसे कमजोर नस बन चुका है। 48 घंटे की चेतावनी के पीछे कई हफ्तों से सुलगता तनाव था। अमेरिका और ईरान के बीच टकराव लगातार बढ़ रहा था। अमेरिकी लड़ाकू विमान, ड्रोन हमले, परमाणु कार्यक्रम और खाड़ी में बढ़ती सैन्य हलचल ने माहौल को विस्फोटक बना दिया। ट्रंप ने साफ कहा कि अगर 48 घंटे में हॉर्मुज नहीं खुला, तो ईरान के ऊर्जा ढाँचे पर हमला होगा। लेकिन ईरान जानता है कि उसकी सबसे बड़ी ताकत हथियार नहीं, हॉर्मुज की वही संकरी समुद्री पट्टी है, जहाँ से दुनिया की ऊर्जा गुजरती है। तेहरान के पास मिसाइलें, समुद्री सुरंगें और ऐसे प्रॉक्सी नेटवर्क हैं, जो कुछ ही घंटों में जहाजरानी रोक सकते हैं। 1980 के दशक का टैंकर वॉर फिर लौटता दिख रहा है। फर्क बस इतना है कि तब दांव पर तेल था, आज पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था है। इसलिए ईरान का फॉरएवर वॉर केवल सैन्य चुनौती नहीं, बल्कि तेल के सहारे दुनिया को झुकाने की रणनीति है।

हॉर्मुज में उठी एक रुकावट भारत की अर्थव्यवस्था को भीतर तक हिला सकती है। भारत इस युद्ध में नहीं है, फिर भी सबसे बड़ी मार उसी पर पड़ सकती है। देश अपनी तेल जरूरत का 85 से 90 प्रतिशत आयात करता है और उसका करीब 40 प्रतिशत हॉर्मुज के रास्ते आता है। यदि यह मार्ग कुछ हफ्तों के लिए भी बंद हुआ, तो भारत सीधे ऊर्जा संकट में फँस जाएगा। तेल की कीमतें सबसे पहले बढ़ेंगी। भारतीय क्रूड बास्केट पहले ही 110 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच चुकी है; हॉर्मुज बंदी लंबी खिंची तो यह 130-150 डॉलर तक जा सकती है। फिर पेट्रोल, डीजल, विमान ईंधन, उर्वरक और परिवहन सब महँगे हो जाएंगे। महँगाई 7 से 9 प्रतिशत तक पहुँच सकती है, रुपया और कमजोर होगा, विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ेगा और करंट अकाउंट डेफिसिट फैल जाएगा। सबसे बड़ा असर किसान, ट्रक ऑपरेटर, छोटे उद्योग और मध्यम वर्ग पर पड़ेगा, क्योंकि ईंधन महँगा होते ही अर्थव्यवस्था की रफ्तार धीमी पड़ जाती है।

हॉर्मुज का संकट सिर्फ तेल तक सीमित नहीं है। दुनिया की लगभग 20 प्रतिशत पेट्रोलियम और 25 प्रतिशत एलएनजी आपूर्ति इसी रास्ते से गुजरती है। भारत के लिए इसका मतलब है कि रसोई गैस और औद्योगिक गैस, दोनों पर दबाव बढ़ेगा। यदि एलपीजी और एलएनजी की आपूर्ति रुकी, तो गैस सिलेंडर महँगे होंगे, बिजली उत्पादन की लागत बढ़ेगी और गैस आधारित उद्योगों की रफ्तार टूट जाएगी। भारत के पास रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार है, लेकिन वह केवल 5-10 दिन की राहत देता है। कुल मिलाकर (रिफाइनरी स्टॉक सहित) यह 60-74 दिन का बफर उपलब्ध है, जबकि विकसित देशों के पास 180 दिन तक का सुरक्षा कवच है। यही अंतर बताता है कि भारत ने ऊर्जा सुरक्षा को अब तक आर्थिक मुद्दा माना, राष्ट्रीय सुरक्षा का नहीं। 1973 का तेल संकट चेतावनी था, लेकिन आज भारत पहले से अधिक ऊर्जा पर निर्भर है। इसलिए यदि हॉर्मुज लंबे समय तक बंद रहा, तो असर सिर्फ तेल बिल पर नहीं, बल्कि विकास दर, रोजगार और सामाजिक स्थिरता पर भी पड़ेगा।

भारत के पास रास्ते हैं, लेकिन कोई भी आसान नहीं। रूस से तेल आयात पिछले वर्षों में तेजी से बढ़ा है और अब कुल आयात का बड़ा हिस्सा वहीं से आता है। इससे कुछ राहत मिलती है, क्योंकि रूसी तेल हॉर्मुज से नहीं गुजरता। लेकिन इसकी अपनी मुश्किलें हैं-लंबी दूरी, महँगा बीमा, कठिन परिवहन और कीमतों में उतार-चढ़ाव। अफ्रीका, अमेरिका और लैटिन अमेरिका से तेल लाया जा सकता है, लेकिन ये रास्ते अधिक महँगे और धीमे हैं। समुद्री भाड़ा 30 से 40 प्रतिशत तक बढ़ सकता है। उधर, ईरान से जुड़ा चाबहार बंदरगाह भी संकट की चपेट में आ सकता है। भारत जिस अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे और पश्चिम एशिया कॉरिडोर पर भरोसा कर रहा है, वे अभी पूरी तरह तैयार नहीं हैं। इसलिए सच यही है कि भारत के पास विकल्प तो हैं, लेकिन वे तुरंत राहत देने की स्थिति में नहीं।

इस संकट का समाधान केवल तात्कालिक फैसलों में नहीं, दूरगामी तैयारी में छिपा है। भारत को अपनी ऊर्जा नीति की दिशा बदलनी होगी। सबसे पहले रणनीतिक भंडार को तेजी से भरकर और कुल भंडारण क्षमता को बढ़ाकर 180 दिन तक ले जाना होगा। फिर तेल आयात के स्रोत इतने फैलाने होंगे कि किसी एक क्षेत्र पर निर्भरता न रहे। साथ ही, अंडमान, पूर्वी तट और राजस्थान के नए ब्लॉकों में तेल और गैस खोज को युद्ध स्तर पर बढ़ाना होगा। लेकिन असली बदलाव जीवाश्म ईंधन से बाहर निकलने में है। सौर ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, जैव ईंधन, इलेक्ट्रिक वाहन और छोटे मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टर अब केवल पर्यावरण की जरूरत नहीं, राष्ट्रीय सुरक्षा की ढाल हैं। जिस दिन भारत की बसें, ट्रैक्टर, उद्योग और बिजली विदेशी तेल पर कम, घरेलू स्वच्छ ऊर्जा पर अधिक चलेंगे, उसी दिन हॉर्मुज का खतरा भी छोटा पड़ जाएगा।

यह संकट भारत के सामने एक सीधा सवाल खड़ा करता है-क्या हम अब भी बीसवीं सदी की ऊर्जा सोच में अटके हैं, जबकि दुनिया इक्कीसवीं सदी का युद्ध लड़ रही है? ट्रंप की 48 घंटे की चेतावनी और ईरान के फॉरएवर वॉर ने साफ कर दिया है कि आने वाली लड़ाइयाँ सीमाओं पर नहीं, सप्लाई चेन, समुद्री रास्तों और ऊर्जा स्रोतों पर लड़ी जाएँगी।

यदि भारत आयातित तेल के सहारे विकास का सपना देखता रहा, तो हर नया हॉर्मुज संकट उसे और कमजोर करेगा। इसलिए यह समय केवल चिंता का नहीं, फैसले का है। सरकार, उद्योग और समाज को मिलकर नई ऊर्जा क्रांति शुरू करनी होगी, जहाँ सूरज, हवा, परमाणु और जैव ईंधन भारत की नई ताकत बनें। तभी भारत किसी भी फॉरएवर वॉर के बीच अडिग, सुरक्षित और आत्मनिर्भर रह सकेगा।

नजरिया

डिजिटल युग में तर्क तिरोहित, भावनाओं का बोलबाला

डॉ. शैलेश शुक्ला

मोबाइल : 9312053330

डिजिटल युग की इस अंधी दौड़ में सूचना और संवाद के स्वरूप में आया परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं, बल्कि गहरे अर्थों में मनोवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय है। ग्रीक दार्शनिक अरस्तू ने हजारों वर्ष पूर्व अपनी कालजयी रचनाओं में सफल राजनीतिक और सामाजिक संवाद के तीन बुनियादी आधार स्तंभ रेखांकित किए थे-लोगोस अर्थात तर्क और साक्ष्य, एथोस अर्थात वक्ता की विश्वसनीयता, और पाथोस अर्थात श्रोताओं की भावनाएं। एक स्वस्थ लोकतांत्रिक परिवेश में इन तीनों तत्वों का संतुलन अनिवार्य माना जाता रहा है, जहाँ तर्क तथ्यों की पुष्टि करता है और भावनाएं उन तथ्यों को मानवीय आधार प्रदान करती हैं। किंतु वर्तमान समय में सोशल मीडिया के अनियंत्रित प्रसार ने इस संतुलन को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया है। आज की डिजिटल राजनीतिक बहसों में 'पाथोस'-यानी क्रोध, भय, असुरक्षा और उन्मादी उत्साह-का एकछत्र साम्राज्य स्थापित हो चुका है, जबकि 'लोगोस'-यानी साक्ष्य-आधारित विश्लेषण और विवेकपूर्ण चर्चा-को पूरी तरह हाशिए पर धकेल दिया गया है। यह विस्थापन आकस्मिक नहीं है, बल्कि यह उन डिजिटल मंचों की आर्थिक संरचना और मानव मस्तिष्क की आदिम ग्रंथियों के बीच हुए एक खतरनाक समझौते का परिणाम है, जो सत्य की तुलना में सनसनी को अधिक महत्व देता है।

इस परिघटना की गहराई को समझने के लिए उन मंचों के व्यवसाय मॉडल का विश्लेषण करना आवश्यक है जिन्हें 'अटेंशन इकोनॉमी' या ध्यान अर्थव्यवस्था कहा जाता है। इन प्लेटफार्मों के लिए उपयोगकर्ता का समय ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है, और विज्ञापनों से होने वाली आय इस बात पर निर्भर करती है कि कोई व्यक्ति कितनी देर तक अपनी स्क्रीन से चिपका रहता है। एमआईटी के शोधकर्ताओं ने अपने विस्तृत अध्ययनों में यह सिद्ध किया है कि झूठी और भ्रामक खबरें, जो प्रायः भावनात्मक रूप से अधिक उत्तेजक और ध्रुवीकरण करने वाली होती हैं, ट्विटर जैसे मंचों पर सच्ची खबरों की तुलना में सत्तर प्रतिशत अधिक तेजी से प्रसारित होती हैं। इसका सीधा अर्थ यह है कि एल्गोरिदम उन सूचनाओं को प्राथमिकता देता है जो तर्क की जगह आक्रोश पैदा करती हैं। न्यूरोविज्ञान भी इस तथ्य की पुष्टि करता है कि जब मानव मस्तिष्क का 'एमिग्डाला' हिस्सा भय या क्रोध के कारण सक्रिय होता है, तो वह 'प्रीफ्रंटल कॉर्टेक्स' यानी तर्क करने वाले केंद्र की गतिविधि को मंद कर देता है। फेसबुक जैसी कंपनियों की आंतरिक जाँच और व्हिसलब्लोअर्स की गवाही ने भी यह स्पष्ट कर दिया है कि उनके एल्गोरिदम जानबूझकर विभाजनकारी सामग्री को बढ़ावा देते हैं क्योंकि वह अधिक 'एंगेजमेंट' पैदा करती है, भले ही इसकी कीमत समाज में तर्क की मृत्यु के रूप में चुकानी पड़े।

> युवा पीढ़ी, जो अपने राजनीतिक विचारों के लिए पूरी तरह इन डिजिटल माध्यमों पर निर्भर है, इस प्रवृत्ति का सबसे बड़ा शिकार बन रही है। जब जटिल सामाजिक और आर्थिक प्रश्नों पर धैर्यपूर्वक विचार करने की क्षमता का स्थान केवल त्वरित भावनात्मक प्रतिक्रिया ले लेती है, तो राजनीति एक बौद्धिक विमर्श के बजाय एक कबीलाई युद्ध जैसी लगने लगती है। यहाँ 'हम' और 'वे' के बीच की खाई इतनी गहरी हो जाती है कि विरोधी को एक इंसान के रूप में देखना असंभव हो जाता है।

राजनीतिक विमर्श पर इस प्रवृत्ति के प्रभाव विनाशकारी रहे हैं, जिसने 'पोस्ट-ट्रुथ' यानी उत्तर-सत्य की राजनीति को जन्म दिया है। यह एक ऐसी स्थिति है जहाँ वस्तुपरक तथ्यों की तुलना में भावनाओं की अपील और व्यक्तिगत विश्वास जनमत को अधिक गहराई से प्रभावित करते हैं। जब किसी जटिल नीतिगत प्रश्न या राष्ट्रीय समस्या का समाधान ढूंढने के बजाय उसे दो सौ अस्सी अक्षरों के ट्वीट या चंद सेकंड की रील में समेट दिया जाता है, तो वहाँ तर्क और संदर्भ का लोप हो जाता है। इसके स्थान पर जो बचता है, वह केवल एक नारा, एक छवि या एक शत्रु-प्रतीक होता है। भारत जैसे विविध लोकतंत्र में यह प्रवृत्ति और भी स्पष्ट है, जहाँ बहसें अब नीतिगत विश्लेषण तक नहीं पहुँचतीं, बल्कि समूह-आधारित पहचानों और व्यक्तिगत आक्रमणों तक सीमित रह जाती हैं। यहाँ 'आक्रोश-संस्कृति' का उदय हुआ है, जहाँ हर दिन एक नया विवाद 'ट्रेंड' कराया जाता है और लाखों लोग बिना वास्तविकता समझे उसमें भावनात्मक रूप से उद्वेलित होकर शामिल हो जाते हैं। यह आक्रोश अल्पकालिक होता है और अगले दिन एक नए मुद्दे के नीचे दब जाता है, जिससे नागरिक एक ऐसे थका देने वाले भावनात्मक चक्र में फंस जाता है जो उसे कभी किसी तार्किक निष्कर्ष तक पहुँचने नहीं देता।

युवा पीढ़ी, जो अपने राजनीतिक विचारों के लिए पूरी तरह इन डिजिटल माध्यमों पर निर्भर है, इस प्रवृत्ति का सबसे बड़ा शिकार बन रही है। जब जटिल सामाजिक और आर्थिक प्रश्नों पर धैर्यपूर्वक विचार करने की क्षमता का स्थान केवल त्वरित भावनात्मक प्रतिक्रिया ले लेती है, तो राजनीति एक बौद्धिक विमर्श के बजाय एक कबीलाई युद्ध जैसी लगने लगती है। यहाँ 'हम' और 'वे' के बीच की खाई इतनी गहरी हो जाती है कि विरोधी को एक इंसान के रूप में देखना असंभव हो जाता है। इसके परिणाम वास्तविक शासन और नीति-निर्माण में भी दिखाई देते हैं, जहाँ नेता जानते हैं कि विकास के कठिन आंकड़ों से अधिक 'सांस्कृतिक गौरव' या 'कल्पित भय' के मुद्दे अधिक वायरल होंगे। यदि यह सिलसिला जारी रहा, तो लोकतांत्रिक जवाबदेही पूरी तरह समाप्त हो जाएगी क्योंकि भावना-प्रधान भीड़ कभी कठिन सवाल नहीं पूछती। अंततः, समाधान की दिशा में केवल एल्गोरिदम में सुधार पर्याप्त नहीं है, बल्कि एक नागरिक के रूप में हमें अपनी तर्कशक्ति को पुनः जागृत करना होगा। एक लोकतंत्र जो केवल भावनाओं के आवेग पर चलता है और तर्क की उपेक्षा करता है, वह अनिवार्य रूप से भीड़तंत्र की ओर अग्रसर होता है। इसलिए, किसी भी डिजिटल सूचना पर प्रतिक्रिया देने से पहले एक पल रुककर उसे तर्क की कसौटी पर कसना ही आज के समय में सबसे बड़ा लोकतांत्रिक प्रतिरोध है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पोप लियो ने रोमन चर्च के प्रमुख के तौर पर पहला ईस्टर मनाया

वेटिकन सिटी/भाषा। पोप लियो 14वें ने रोमन कैथोलिक चर्च का प्रमुख बनने के बाद ईस्टर पर अपनी पहली प्रार्थना सभा में रविवार को युद्ध के खिलाफ उम्मीद बनाए रखने का आह्वान किया और कहा कि आज दुनियाभर में हो रहे संघर्षों के बीच हमें उम्मीद बनाये रखने की जरूरत है।

अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच जारी संघर्ष के दूसरे महीने भी जारी रहने तथा रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच, पोप लियो बार-बार संघर्ष विराम की अपील करते रहे हैं। अपने ईस्टर संदेश में पोप ने खास तौर पर उन लोगों की आलोचना की जो युद्ध करते हैं, कमजोरों का शोषण करते हैं और मुनाफे को प्राथमिकता देते हैं। अमेरिका में जन्मे पहले पोप ने सेंट पीटर्स स्क्वायर में खुले मंच से श्रद्धालुओं को संबोधित किया। यह मंच सफेद गुलाब के फूलों से सजा हुआ था, जबकि उस चौराहे की ओर जाने वाली सीढ़ियां, जहां श्रद्धालु एकत्र हुए थे, वसंत ऋतु के बारहमासी फूलों से भरी थीं, जो प्रतीकात्मक रूप से पोप उम्मीद भरे संदेश को दर्शा रही थीं।

पोप ने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे मृत्यु के सामने भी अपनी उम्मीद बनाए रखें, जो अन्याय, गरीबों के दमन और सबसे कमजोर लोगों के प्रति उपेक्षा में छिपी होती है। उन्होंने कहा, हम इसे हिंसा में देखते हैं, दुनिया के दुख और घावों में देखते हैं, और उस दर्द भरी पुकार में महसूस करते हैं जो हर जगह से उठती है क्योंकि कमजोर लोगों पर अत्याचार हो रहा है।

प्रदर्शन

नालंदा के नूरसराय इलाके में एक महिला के साथ कथित मारपीट के खिलाफ रविवार को पटना में अलग-अलग संगठनों की महिला सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन किया।

ऑक्सफोर्ड विवि पुस्तकालय हिंदू ग्रंथ 'शिक्षापत्री' का द्विशताब्दी समारोह मना रहा

लंदन/भाषा। ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के बोडलियन पुस्तकालय ने विश्व के सबसे महत्वपूर्ण और दुर्लभ हिंदू धर्मग्रंथों में से एक 'शिक्षापत्री' की 200वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में पूरे ब्रिटेन में एक ऐतिहासिक यात्रा की शुरुआत की है। पांडुलिपि की यात्रा इसकी रचना के 200 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में इस वर्ष के प्रारंभ में शुरू हुई। इस पांडुलिपि को स्वामीनारायण पंथ के नेताओं के सहयोग से देश भर के प्रमुख मंदिरों में ले जाया जाएगा ताकि अनुमानित तौर पर 20,000-30,000 लोग इस पवित्र ग्रंथ का दर्शन कर सकें।

गुजरात के वडताल में सहजानंद स्वामी-भगवान स्वामीनारायण द्वारा 1826 में रचित 'शिक्षापत्री' नैतिक और आध्यात्मिक जीवन जीने के लिए एक मार्गदर्शक के रूप में काम करती है। बोडलियन में एशियाई और मध्य पूर्वी संग्रह की क्यूरेटर डॉ. गिलियन एविसन ने कहा, ब्रिटेन भर के मंदिरों और समुदायों के साथ इस ऐतिहासिक पांडुलिपि को साझा करके, बोडलियन पुस्तकालयों को उम्मीद है कि वे इसके सांस्कृतिक महत्व और इसके स्थायी संदेश दोनों का सम्मान करेंगे। उन्होंने कहा, रचना के दो शताब्दी बाद भी, 'शिक्षापत्री' में करुणा, नैतिक जीवन और सामाजिक सद्भाव का आह्वान जटिल होती दुनिया में प्रासंगिक है।

ऐसा कहा जाता है कि यह पांडुलिपि बसंत पंचमी के दिन लिखी गई थी, जिसमें 212 संस्कृत श्लोक हैं जो हिंदू धर्मग्रंथों के प्रमुख सिद्धांतों का सार प्रस्तुत करते हैं।

स्वामीनारायण के अनुयायियों द्वारा प्रतिदिन पढ़े जाने वाले इस ग्रंथ की विश्व स्तर पर लाखों प्रतियां छप चुकी हैं। बोडलियन संग्रहालय का दावा है कि उसकी पांडुलिपि ऐतिहासिक महत्व रखती है क्योंकि यह लेखक द्वारा स्वयं प्रदान किए गए ग्रंथ की सबसे पुरानी ज्ञात प्रतियों में से एक है।

ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय ने कहा, इस पांडुलिपि में एक गहरा ऐतिहासिक महत्व निहित है। 26 फरवरी, 1830 को सहजानंद स्वामी ने स्वयं यह प्रति बंबई के तत्कालीन गवर्नर सर जॉन मैल्कम को भेंट की थी। औपनिवेशिक उथल-पुथल के दौर में, इस ग्रंथ ने नैतिक आचरण और जीवनशैली के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया।

इसने कहा, आज भी 'शिक्षापत्री' लाखों भक्तों के दैनिक जीवन को आकार दे रही है, जिसमें अहिंसा, शाकाहार, ईमानदारी और पापपूर्ण व्यवहार से बचने जैसे सिद्धांतों को बढ़ावा दिया जाता है।

पांडुलिपि की यात्रा अगस्त तक चलेगी और इस दौरान इसे लंदन तथा वेल्स के विभिन्न हिस्सों में स्थित स्वामीनारायण मंदिरों में श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए रखा जाएगा।

बातचीत

केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा रविवार को केरल के तिरुवनंतपुरम में एक इवेंट के दौरान मेडिकल प्रोफेशनल्स से बातचीत करते हुए।

कुंभ मेला सनातन संस्कृति की समावेशी भावना को दर्शाता है : फडणवीस

नासिक/भाषा

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को कुंभ मेले को भारत के सांस्कृतिक लोकाचार का प्रतीक बताया और कहा कि यह विशाल समागम सनातन संस्कृति की समावेशी भावना का प्रतिनिधित्व करता है, जहाँ लोग जाति या विचारधारा के आधार पर किसी भी भेदभाव के बिना एकत्रित होते हैं

अखिल भारतीय संत समिति की बैठक के समापन समारोह को संबोधित करते हुए फडणवीस ने कहा कि राज्य सरकार ने 2027 के सिंहस्थ कुंभ मेले में भारी भीड़ को संभालने और श्रद्धालुओं के लिए सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए नासिक में व्यापक इंतजाम किए हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कुंभ एक अनूठा अवसर है, जहां सभी वर्गों के लोग एक समान रूप से भाग लेते हैं और गंगा तथा गोदावरी जैसी पवित्र नदियों के माध्यम से आध्यात्मिक शुद्धि प्राप्त करते हैं। उन्होंने कहा, यहां कोई जाति या धर्म के बारे में नहीं पूछता; सभी एकता की भावना से एक साथ आते हैं। उन्होंने कुंभ को भारत के सांस्कृतिक लोकाचार का प्रतीक बताते हुए कहा कि किसी भी तरह का सामाजिक भेदभाव बाद की विकृति है, जो धीरे-धीरे खत्म हो रहा है।

फडणवीस ने महाराष्ट्र में लिए गए नीतिगत निर्णयों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में उनके पिछले कार्यकाल के दौरान सरकार ने गोहत्या पर प्रतिबंध लगाने वाला कानून लागू किया था और बाद में गायों को राज्य माता का दर्जा दिया था। उन्होंने कहा कि जबरन या धोखाधड़ी से किए जाने वाले धर्मांतरण को रोकने के लिए राज्य के धार्मिक स्वतंत्रता कानून के तहत कदम उठाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस कानून में उन लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भी प्रावधान है, जो महिलाओं को कथित तौर पर झूठे बहाने से शादी के जाल में फंसाते हैं।

'क्वीन' के सीक्वल की तैयारी तेज, 'क्वीन फॉरएवर' हो सकता है नया नाम

मुंबई/एजेन्सी

साल 2014 में रिलीज हुई 'क्वीन' की सफलता के बाद अब इसके सीक्वल को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। अभिनेत्री कंगना रनौत की इस चर्चित फिल्म का दूसरा भाग जल्द ही फ्लोर पर जा सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म के लिए 'क्वीन फॉरएवर' शीर्षक पर विचार किया जा रहा है और इसे अंतिम रूप देने की तैयारी चल रही है। निर्माताओं का मानना है कि यह नाम फिल्म की थीम के अनुरूप है और आधिकारिक घोषणा जल्द की जा सकती है। सूत्रों के अनुसार, सीक्वल का निर्माण ट्रिगर हैप्पी एंटरटेनमेंट के अमित चंद्रा द्वारा किया जाएगा।

फिल्म में कंगना का लोकप्रिय किरदार 'रानी' इस बार विदेश यात्रा के बजाय भारत के विभिन्न शहरों की सैर करता नजर आएगा। कहानी आत्म-खोज के नए अध्याय पर आधारित होगी, जिसमें रानी का सफर एक बार फिर उसके व्यक्तित्व में बड़ा बदलाव लाएगा। इससे पहले इस बैनर ने फरहान अख्तर की फिल्म '120 बहादुर' का निर्माण भी किया है। गौरतलब है कि 'क्वीन' में राजकुमार राव और लीजा हेडन ने भी अहम भूमिकाएं निभाई थीं। फिल्म का निर्माण फैंटम फिल्म्स के विक्रमादित्य मोटवाने और अनुराग कश्यप ने वायकॉम18 मोशन पिक्चर्स के साथ मिलकर किया था। फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से जबरदस्त सराहना मिली थी और कंगना रनौत को उनके अभिनय के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 61 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।

'बिलेनियर' सीरीज से अर्जुन रामपाल की वापसी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता अर्जुन रामपाल इन दिनों अपनी हालिया फिल्म 'धुरंधर 2' की सफलता के बीच नई वेब सीरीज बिलेनियर को लेकर सुर्खियों में हैं। इस सीरीज का निर्देशन हंसल मेहता कर रहे हैं, जबकि सह-निर्देशन रॉबी ग्रेवाल ने संभाला है। सीरीज के शीर्षक और विषय को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ गई है, खासकर अर्जुन रामपाल के किरदार को लेकर कई तरह की चर्चाएं चल रही हैं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक 'बिलेनियर' की कहानी एक शक्तिशाली उद्योगपति के इर्द-गिर्द बुनी जा सकती है, जिसमें महत्वाकांक्षा, प्रभाव और सफलता की कीमत जैसे पहलुओं को दिखाया जाएगा। चर्चा यह भी है कि यह किरदार वास्तविक जीवन से प्रेरित हो सकता है। जिन नामों को लेकर सबसे ज्यादा कयास लगाए जा रहे हैं, उनमें विजय माल्या और ललित मोदी शामिल हैं। हालांकि, निर्माताओं की ओर से इन दावों की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। सीरीज का निर्माण प्रभलीन संधू द्वारा ऑलमाइटी मोशन पिक्चर्स के बैनर तले किया जा रहा है, जबकि इसकी कहानी अनुभव चोपड़ा और शांतनु सागर ने लिखी है। यह सीरीज ऐमज़ॉन एमएक्स प्लेयर पर रिलीज की जाएगी। फिलहाल, इसकी रिलीज डेट और अन्य कलाकारों को लेकर जानकारी गोपनीय रखी गई है, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ गई है।

एक्शन से भरपूर 'डकैत' ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

साउथ सिनेमा के लोकप्रिय अभिनेता अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'डकैत' का ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसे दर्शकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिल रहा है। फिल्म का ट्रेलर यूट्यूब पर तेजी से वायरल हो रहा है और इसमें एक्शन व थ्रिलर का दमदार मिश्रण देखने को मिल रहा है। इससे पहले फिल्म का गाना 'टच बडी' भी रिलीज हुआ था, जिसे पवन सिंह और जोनिता गांधी ने गाया है और इसे दर्शकों ने खूब पसंद किया। निर्देशक शेनिल देव के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अनुराग कश्यप और प्रकाश राज भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। पहले इसे 19 मार्च को रिलीज किया जाना था, लेकिन मेकर्स ने बेहतर स्क्रीन स्पेस और दर्शकों का ध्यान पाने के लिए रिलीज डेट आगे बढ़ाने का फैसला किया। फिल्म को हिंदी और तेलुगु दोनों भाषाओं में एक साथ शूट किया गया है। करीब 2 मिनट 23 सेकंड के ट्रेलर की शुरुआत एक रोमांटिक दृश्य से होती है, जिसमें अदिवि शेष और मृणाल ठाकुर एक खुशहाल भविष्य की योजना बनाते नजर आते हैं। लेकिन कहानी में अचानक ट्विस्ट आता है और अदिवि शेष का किरदार जेल पहुंच जाता है, जिससे दोनों के रिश्ते में दरार आ जाती है। इसके बाद कहानी एक रहस्यमयी और भावनात्मक मोड़ लेती है, जिसने दर्शकों की उत्सुकता को और बढ़ा दिया है।

फेस्टिवल

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू रविवार को ईटानगर के मोपिन-सोलंग ग्राउंड में डायमंड जुबली मोपिन फेस्टिवल सेलिब्रेशन में शामिल हुए।

पल्लवी जोशी : 90 के दशक में टेलीविजन पर किया राज, आज खुद फिल्मों का कर रहीं निर्माण

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई हिंदी सिनेमा में पर्दे पर कई खूबसूरत और बहुमुखी प्रतिभा की धनी अभिनेत्रियों ने राज किया और लंबे समय तक अपनी अमिट छाप छोड़ी, लेकिन 90 के दशक में एक अभिनेत्री को 'टेलीविजन की क्वीन' का दर्जा मिला और उन्होंने कई पुरस्कार भी अपने नाम किए। हम बात कर रहे हैं पल्लवी जोशी की, जिन्होंने बाल कलाकार के तौर पर करियर की शुरुआत की, लेकिन एक समय ऐसा आया, जब उन्हें सिनेमा और टेलीविजन दोनों में काम मिलना बंद हो गया। मुंबई में 4 अप्रैल को जन्मी पल्लवी जोशी ने चार साल की उम्र में काम करना शुरू कर दिया था। उन्होंने साल 1979 में बाल कलाकार के रूप में फिल्म 'दादा' से पर्दे पर कदम रखा और 'मुन्नी' नामक बच्ची का किरदार निभाया था। जिसके बाद वे 'आदमी सड़क का', 'नाग मेरे साथी', और 'परख' जैसी फिल्मों में नजर आईं। अभिनेत्री ने वैसे तो कई फिल्मों में प्रतिभाशाली भूमिका निभाई, लेकिन जो प्रसिद्धि उन्हें टेलीविजन से मिली, वो कहीं और नहीं मिली। 80 के दशक के अंत में अभिनेत्री ने 'मिस्टर योगी', 'तलाश', और 'इमली' जैसे सुपरहिट टीवी सीरियल में काम किया। उनका 'अल्पविराम' सीरियल सबसे ज्यादा लोकप्रिय हुआ था। पल्लवी जोशी डेली सोप में भी काम करने लगीं और बड़ा चेहरा बनीं। उन्होंने साल 1994 से फिल्मों में काम करना शुरू कर दिया था। उन्हें 'वो छोकरी' फिल्म के लिए स्पेशल ज्यूरी अवॉर्ड भी मिला। सुबंकर घोष की इस फिल्म को तीन राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिले थे।

कई अवॉर्ड और प्रभावशाली किरदार निभाने के बावजूद एक समय बाद पल्लवी को टीवी और फिल्मों दोनों में काम मिलना बंद हो गया। अभिनेत्री ने खुद इस बात का खुलासा किया कि कैसे उन्हें काम मिलना पहले कम और फिर बाद में बंद हो गया। उन्होंने एक किस्से का जिक्र करते हुए कहा था कि एक डेली सोप का ऑफर आया था और सीरियल में लगभग सबकुछ फाइनल हो चुका था, लेकिन फिर कहा गया कि पल्लवी जोशी को मत लो, क्योंकि वो काली है। यही कारण रहा कि मुझे सीरियल से बाहर निकाल दिया गया। मेरे समय की बहुत सारी अभिनेत्रियों को इन समस्याओं से दो-चार होना पड़ा, क्योंकि उस वक्त डेली सोप में लोग नए चेहरे देखना चाहते थे। नई अभिनेत्रियां आ रही थी और हमें वही घिसे-पिटे पुराने सास वाले किरदार ऑफर होने लगे। आज पल्लवी न सिर्फ फिल्मों में प्रभावशाली किरदार निभा रही हैं, बल्कि खुद फिल्मों का निर्माण भी कर रही हैं। उन्होंने 'आई एम बुद्धा' नामक प्रोडक्शन हाउस खोला है। इसकी स्थापना उन्होंने अपने पति और प्रख्यात निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री के साथ मिलकर की है। यह प्रोडक्शन हाउस विशेष रूप से सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर आधारित फिल्मों और डॉक्यूमेंट्री के निर्माण के लिए जाना जाता है। इस प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले 'द ताशकंद फाइल्स', 'द कश्मीर फाइल्स', 'द बंगाल फाइल्स' और 'द वैक्सीन वॉर' जैसी फिल्में बन चुकी हैं। अभिनेत्री मराठी फिल्में भी बना चुकी हैं।

कविता कौशिक ने बताया 'कप्तान' के लिए क्यों नहीं करनी पड़ी ज्यादा मेहनत?

मुंबई/एजेन्सी

एक्शन-क्राइम ड्रामा वेब सीरीज 'कप्तान' ओटीटी पर स्ट्रीम हो रही है। यह सीरीज ज्वालाबाद शहर में एसएसपी समरदीप सिंह की कहानी पर आधारित है। इसमें साकिब सलीम के अलावा सिद्धार्थ निगम, कविता कौशिक और अंजुम शर्मा जैसे मंझे हुए कलाकार नजर आ रहे हैं। सीरीज में कविता कौशिक ने डीएसपी प्रीत का रोल निभाया है, जो एक सख्त महिला पुलिस अधिकारी होती है। अभिनेत्री का कहना है कि उन्हें पुलिस के किरदार में ढलने में ज्यादा दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ा था। अभिनेत्री ने हाल ही में आईएएनएस के साथ बातचीत की, जिसमें उन्होंने अपने किरदार के ढलने की प्रक्रिया पर जोर देते हुए कहा, मुझे अपने किरदार के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी थी क्योंकि मेरा बैकग्राउंड ही पुलिस से जुड़ा हुआ है। मेरे पिता एक पुलिस अधिकारी थे। बचपन से हम उसी माहौल में बड़े हुए हैं। इसलिए यह भूमिका मेरे लिए

स्वाभाविक लगी। चाहे चंद्रमुखी चौटाला का किरदार हो या फिर डीएसपी प्रीत, पुलिस वाली बात मेरी परफॉर्मेंस में अपने आप दिख जाती है। कविता ने आगे बातचीत में पूरी टीम की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, हमारे पास बहुत अच्छा डायरेक्टर, शानदार प्रोड्यूसर्स और एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म है। हमारी कास्ट भी कमाल की है। सब कुछ मुझे सही लगा था, यही कारण है कि सीरीज के लिए हां कहना बहुत आसान हो गया था। अभिनेत्री ने मुश्किल शूट के बारे में बात करते हुए कहा, सच कहूं, तो मुझे सीन शूट करने में दिक्कत नहीं हुई।

अगर मैं मुश्किल कहूंगी तो यह अन्य कलाकारों के साथ नाइंसाफी होगी। वे बहुत कठिन हालात में भी फिट रहते हुए जबरदस्त एक्शन सीन कर रहे थे। उनका अनुशासन और समर्पण देखकर मैं प्रेरित हुई। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। मेरी भूमिका उनकी तुलना में काफी आरामदायक थी। अक्सर पुलिस ड्रामा में महिला अधिकारियों को कम महत्व दिया जाता है। इस पर कविता ने बेबाकी से कहा, मैंने अपने करियर में कभी खुद को नजरअंदाज महसूस नहीं किया। मुझे जो मौका मिलता है, उसका पूरा फायदा उठाती हूं। मैं ज्यादा स्क्रीन टाइम के लिए नहीं लड़ती। मेरा फोकस अपने काम के असर पर रहता है।

बसंतमुनि का कोयम्बटूर आगमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। रविवार को सुबह श्रमण संघीय श्री बसंत मुनिजी म. सा. ने श्री कोयंबटूर स्थानकवासी जैन संघ के तत्वाधान में एस एस एस जैन भवन में पदार्पण किया। गुरुदेव गत डेढ़ माह से मौन साधना में लीन थे, गत शुक्रवार को उन्होंने मौन संपन्न कर साधना पूर्ण की। शनिवार को गौशाला से विहार कर राजेंद्र प्लास्टिक फैक्ट्री पहुंचे।

रविवार को सुबह मुनिश्री ने विहार कर स्थानक भवन पहुंचे।

विहार सेवा का लाभ एस एस एस जैन ट्रस्ट के ट्रस्टी राजेश कुमार गादिया, संघ सदस्य ज्ञानचंद खारीवाल के साथ ही एस एस एस जैन युवक संघ के अध्यक्ष आशीष बोहरा, सचिव दिलखुश पगारिया एवं युवक संघ के सदस्य राहुल टोडरवाल व मनीष रांका ने लाभ लिया। मुनिश्री का कुछ दिन यहां प्रवास की संभावना है।

मदुरै में अन्नाद्रमुक उम्मीदवार का प्रवासियों से सम्पर्क

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। शनिवार शाम को नूतन धर्मशाला में आयोजित जनसंपर्क कार्यक्रम में मदुरै सेंट्रल विधानसभा क्षेत्र से एआईएडीएमके गठबंधन के उम्मीदवार सुन्दर सी ने स्थानीय नागरिकों को संबोधित किया। इस अवसर पर श्री सांचा सुमतिनाथ जैन संघ के पदाधिकारियों द्वारा उनका सम्मान किया गया। संघ के ट्रस्टी एवं मुखिया आर.के. मीठालाल सकलेचा सहित अन्य ट्रस्टियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में जैन समाज एवं राजस्थानी समाज के अनेक सदस्यों ने प्रत्याशी सुंदर सी से भेंट कर अपना समर्थन व्यक्त किया। गौरतलब है कि सुंदर सी प्रसिद्ध फिल्म अभिनेत्री खुशुबू सुन्दर के पति हैं, जिसके कारण भी लोगों में विशेष आकर्षण देखा गया। अपने संबोधन में उन्होंने बताया कि आगामी दो दिनों में खुशबू सुंदर भी उनके समर्थन में प्रचार हेतु मदुरै पहुंचेंगी। उन्होंने सभी से अन्नाद्रमुक के दो पत्ती के चुनाव निशान पर मतदान करने की अपील की।

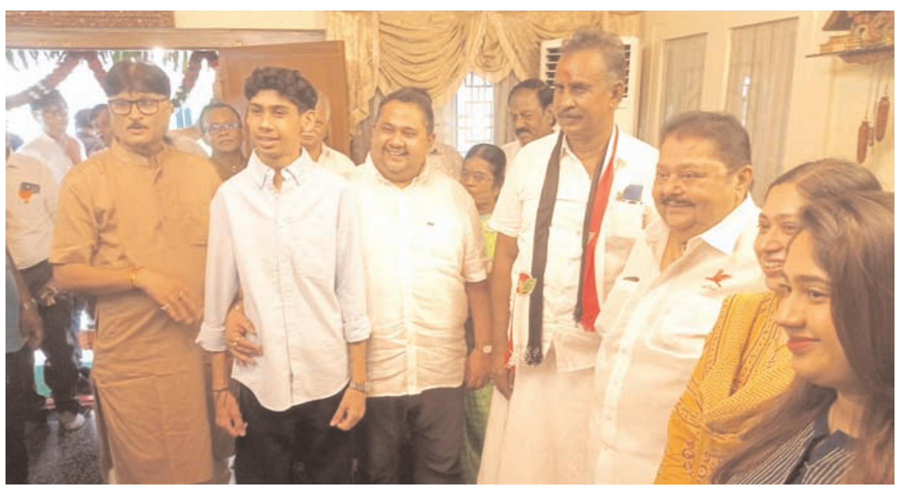

डबल इंजन लगने से होगा कोयम्बटूर का विकास : वेलुमणि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां पूर्व मंत्री और अन्नाद्रमुक के प्रत्याशी एसपी वेलुमनि ने कहा कि द्रमुक सरकार द्वारा कोयम्बटूर में जो विकास कार्य रोका गया है उसे पुन: अन्नाद्रमुक सरकार सत्ता में आने के बाद शुरु करेगी। शहर के अन्य विकास कार्यों पर भी जोरों से काम किया जाएगा। कोयम्बटूर एयरपोर्ट का शीघ्र ही विस्तार किया जाएगा। डबल इंजन सरकार से सब कुछ ठीक हो जाएगा। रविवार को कोयम्बटूर के कस्तूरी भवन में एसपी वेलुमनि का आगमन हुआ। बैठक में प्रवासी लोगों ने भाग लिया। कोयम्बटूर गुजराती समाज, राजस्थानी संघ, जैन समाज, अग्रवाल समाज, माहेश्वरी समाज, तेलुगू समाज, मलयालयम समाज, मराठा समाज, बंगाल समाज, ब्राह्मर समाज आदि के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

इस मौके पर वेलुमणि से कहा कि जो आकांक्षा और अपेक्षा कोयम्बटूर के व्यापारी समाज की खास तौर पर उत्तर भारतीय मूल के लोगों की होती है उनको पूर्ण किया जाएगा। अन्नाद्रमुक सरकार आने के बाद व्यापार को एक नई दिशा मिलेगा। इस मौके पर राजस्थान संघ के अध्यक्ष संतोष मुंद्ड़ा, गुजरात समाज के अध्यक्ष प्रफुल्ल सेजपाल, अन्नाद्रमुक केकोयंबटूर जिला के सह सचिव श्रीमती मनीमेघलाई, श्रवण बोहरा और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मुलाकात
दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर उत्तर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार और राष्ट्रीय महिला मोर्चा की अध्यक्ष वनथी श्रीनिवासन ने अन्नाद्रमुक के पूर्व मंत्री एवं विपक्ष के सचेतक एसपी वेलुमणि से शिष्टाचार भेंट की।

कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ के अभिनंदन समारोह में अनेक स्वाध्यायी हुए सम्मानित

शांतिलाल डुंगरवाल को दी गई 'स्वाध्यायी रत्न उपाधि'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थीीय कर्नाटक जैन स्वाध्याय संघ द्वारा रविवार को आयोजित 'अभिनंदन समारोह' का आयोजन पुष्कर आराधना केन्द्र में सम्पन्न हुआ। समारोह में स्वाध्यायी सदस्यों का एवं दानदाताओं का सम्मान किया गया। भंवरलाल कवाड़ ने सभी का स्वागत किया। दिनेशकुमार खींचा ने पाठशालाओं के विस्तार की योजना प्रस्तुत की। शिक्षिका संगीता सकलेचा ने पाठशालाओं के विस्तार से बालक-बालिकाओं के अध्ययन तथा परीक्षा परिणाम में हुए विकास का ब्यौरा प्रस्तुत किया। मंत्री मीठालाल पटवा ने संघ की गतिविधियों की संपूर्ण जानकारी देते हुए नए स्वाध्यायी सदस्य जोड़ने हेतु विशेष आह्वान किया। वार्षिक परीक्षा तथा पत्राचार प्रतियोगिता के प्रमुख पुरस्कार विजेताओं का सम्मान किया गया।

वरिष्ठ स्वाध्यायी शांतिलाल डुंगरवाल को उनकी दीर्घकालीन सेवाओं के लिए 'स्वाध्यायी रत्न' की पदवी प्रदान करते हुए पर्युषण सेवा शिखर सम्मान से सम्मानित किया गया। पर्युषण चेयरमैन मनोहरलाल डुंगरवाल एवं वरिष्ठ स्वाध्यायी चेतनप्रकाश डुंगरवाल ने शांतिलाल डुंगरवाल की सेवा तथा जीवन का परिचय दिया। सहचेयरमैन महावीरचंद गुलेच्छा ने प्रशस्ति पत्र का वाचन किया। समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में जयमल जैन श्रावक संघ, बेंगलूरु शाखा के अध्यक्ष मीठालाल लोढा, गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र के अध्यक्ष नेमीचंद सालेचा तथा महामंत्री महावीरचन्द मेहता का सम्मान किया गया। संयोजक शांतिलाल बोहरा ने स्वाध्याय संघ में महापुरुषों के योगदान को याद किया।

संघ की गतिविधियों एवं कार्य प्रणाली से प्रभावित होकर अनेक दानदाताओं ने योजना से जुड़ते हुए सहयोग राशि प्रदान की। सहमंत्री अभयकुमार बांठिया ने पर्युषण सेवा प्रदान करने वाले सदस्यों की नामावली की घोषणा की, कुल 104 सदस्यों को 'रजत पदक' प्रदान करके उनकी सेवाओं का सम्मान किया गया। इस मौके पर कुल 126 सदस्यों का 'आधार स्तंभ योजना' में सम्मान किया गया। महावीरचन्द मेहता ने स्वाध्याय संघ के प्रति आभार जताया। समारोह में अरुणकुमार गोटावत, छगनमल लुणावत, मीठालाल मकाणा, पारसमल सालेचा, पन्नालाल कोठारी, सुमेरसिंह मुणोत, नवरत्नमल भंसाली आदि उपस्थित थे। अंत में स्वाध्यायी जयदीप लोढ़ा ने सभी को धन्यवाद दिया।

भवन में विराजित श्री ज्ञानमुनिजी के शिष्य श्री लोकेशमुनिजी ने मंगलपाठ प्रदान किया। संघ संयोजक शांतिलाल बोहरा ने संचालन किया।

आयुष भीमसेरिया

विष्णु गोपाल सिंघल

मारवाड़ी युवा मंच बेंगलूरु सेंट्रल की नई कार्यकारिणी घोषित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। मारवाड़ी युवा मंच (एमवाईएम) बेंगलूरु सेन्ट्रल की वार्षिक सभा में वर्ष 2026-27 के लिए नई कार्यकारिणी की घोषणा की गई। बैठक में पिछले वर्ष के आयोजनों की समीक्षा की गई तथा आगामी वर्ष के एजेंडे पर विस्तृत चर्चा की गई।ङ्गनवगठित कार्यकारिणी में आयुष भीमसेरिया को अध्यक्ष, विष्णु गोपाल सिंघल को सचिव तथा विनायक बजाज को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। बैठक के दौरान नई टीम ने संगठन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प व्यक्त करते हुए समाज पर सकारात्मक प्रभाव डालने और प्रत्येक व्यक्ति के समग्र विकास पर विशेष ध्यान देने की बात कही। साथ ही सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सेवाभावी गतिविधियों को और अधिक प्रभावी, व्यापक एवं परिणामोन्मुख बनाने पर जोर दिया गया। सदस्यों ने युवाओं को जोड़ने, नेतृत्व क्षमता विकसित करने तथा समाज में सार्थक बदलाव लाने के लिए विभिन्न नई पहल एवं दृष्टिकोणों पर भी विचार-विमर्श किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ग़ज़ल

संबंधों का आडंबर है

संबंधों का आडंबर है झूठे रिश्तों का बंधन है,
अपने सपनों का विद्रोही, नाग नहीं ये चंदनवन है ।

अपनापन हम खोज़ चुके हैं सबकी चौखट पर जाकर,
जो भी मिलने आया उसका, मन रोगी तन वृंदावन है ।

पहले जैसा मौसम है ना, पहले जैसे लोग रहे अब,
आँखों में पीड़ा-कुंठा है, खून-खराबा है, क्रंदन है।

आँगन के बूढ़े बरगद को, किसने काटा भान नहीं है,
नींव रही कमज़ोर हमेशा, अब संकट में घर-आँगन है ।

औरों को काँधा देने के, चक्कर में हम बढ़ ना पाए,
पर्वत मान रहे थे जिसको वो भी वास्तव में वामन है ।

सत्य अहिंसा के अनुयायी, केवल ग्रंथों तक सीमित हैं,
आज हकीकत में देखें तो, मतलबियों का अभिनंदन है ।

सोच रहे थे वक़्त कभी तो, अपना भी आएगा 'नवरंग',
स्वप्न कभी साकार हुए ना, मन में केवल चित्रांकन है।

माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'
मो.9424141875

महावीर जिनालय में धूमधाम से सम्पन्न हुआ 19वां ध्वजारोहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के जैन चैरिटेबल ट्रस्ट सिद्धलिंगपुरा के प्रांगण में स्थित श्री महावीर जिनालय का रविवार को 19वां ध्वजारोहण महोत्सव श्रद्धा, उल्लास एवं आध्यात्मिक वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर साध्वीश्री पावननिधिजी, यशोनिधिजी आदि की निश्रा में लाभार्थी परिवार द्वारा मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ

प्रातः स्नात्र पूजा एवं सत्तरभेदी पूजा से हुआ, जिसे सुमतिनाथ जैन महिला मंडल की सदस्याओं ने सम्पन्न कराया। इस मौके पर जिनालय के वार्षिक चढ़ावे बोले गए जिसमें श्रद्धालुओं ने उत्साह से भाग लिया। ङ्गङ्गसाध्वीजी ने अपने प्रवचन में आगामी हॉस्पिटल सेवा प्रकल्प के विषय में बताते हुए कहा कि समाज के प्रत्येक सदस्य को तन, मन एवं धन से इस पुण्य कार्य से जुड़ना चाहिए। इस अवसर पर जैन चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष कांतिलाल चौहान सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे। साथ ही सुमतिनाथ जैन संघ के अध्यक्ष भेरूलाल राठौड़, ट्रस्टी जयंतीलाल जैन सहित अन्य लोग भी शामिल थे।

नए वित्तीय वर्ष में एफटीएस बेंगलूरु चैप्टर द्वारा अनेक कार्यक्रम आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय वनबंधु परिषद (एफटीएस) बेंगलूरु चैप्टर, महिला समिति एवं युवा समिति के संयुक्त प्रयास से रविवार को तीन महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। युवा अध्यक्ष प्रीतेश बुरड़ ने बताया कि युवा राष्ट्रीय प्रोजेक्ट के अंतर्गत संस्कार गुरुकुल 'संस्कार रेनबो होम' का शुभारंभ किया गया। यह बेंगलूरु में स्थापित होने वाला दूसरा संस्कार गुरुकुल है, जिसका उद्देश्य बच्चों में भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों एवं समग्र व्यक्तित्व विकास के संस्कारों का संचार करना है। संस्कार गुरुकुल जैसे प्रोजेक्ट समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में एक मजबूत पहल हैं और आने वाले समय में इसे और व्यापक रूप दिया जाएगा।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में एवनप्लास्ट कम्पनी के प्रबंध निदेशक सुनील बजाज, एफटीएस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रमेश अग्रवाला, साउथ ज़ोन सचिव बिमल सरावगी, चैप्टर के संरक्षक सुरेंद्र गोयल, चैप्टर के अध्यक्ष हाथीमल बैद, राष्ट्रीय महिला समिति से सरिता भंसाली, बेंगलूरु महिला समिति की अध्यक्ष कांता काबरा एवं युवा टीम के विक्रम अग्रवाल सहित लगभग 115 सदस्यों की उपस्थित थीं। विक्रम अग्रवाल को चैप्टर कार्यकारिणी में कार्यकारी अध्यक्ष का दायित्व सौंपा गया तथा मिश्रू बोहरा को भी कार्यकारिणी समिति में शामिल किया गया।

तीसरे चरण में युवा टीम द्वारा अन्नदान का आयोजन किया गया, जिसमें हजारों जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन अनीता जैन ने किया। अंत में वर्ष 2026-27 के लिए नए सदस्यता अभियान की शुरुआत की घोषणा की गई। इस मौके पर अनेक सदस्य उपस्थित थे।

टी दासरहल्ली में जन्मकल्याणक उपलक्ष्य में विशेष प्रवचन व अन्नदान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के जैन महावीर मंडल टी दासरहल्ली के सदस्यों द्वारा रविवार को महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव के उपलक्ष्य में साध्वीश्री मुक्तिप्रज्ञाजी के विशेष प्रवचन का आयोजन किया गया जिसमें साध्वीश्री ने प्रभु महावीर के सिद्धांत समझाते हुए लोगों को अहिंसा व सत्य का पालन करने की बात कही। इस मौके पर प्रवचन के पश्चात भेरुलाल, महावीर, ललित काल्या के सौजन्य से अन्नदान का आयोजन किया गया तथा साध्वीश्री मुक्तिप्रज्ञाजी के मांगलिक के बाद हजारों लोगों को अन्नदान किया गया। इस अन्नदान सेवा में अध्यक्ष सुरेश चावत, मयंक काल्या, गिरीश कोठारी, संदीप कोठारी, देवीलाल गांधी, सुनील दक, मुकेश चावत, दिनेश कोठारी, धमेन्द्र बांठिया आदि ने सेवा प्रदान की

भारत के साथ व्यापार, निवेश और आर्थिक संबंधों को अधिक मजबूत करने की जरूरत: नेपाल के राजदूत

ठाणे/भाषा। भारत में नेपाल के राजदूत शंकर प्रसाद शर्मा ने रविवार को दोनों पड़ोसी देशों के बीच व्यापार, निवेश और आर्थिक संबंधों को और अधिक मजबूत करने की जरूरत पर बल दिया।

ठाणे में आयोजित भारत-नेपाल व्यापार कार्यक्रम और व्यापार संवर्धन पहल में शर्मा ने कहा कि दोनों देशों के व्यापारिक समुदायों को साझा वृद्धि को बढ़ाने के लिए सहयोग और साझेदारी के नए रास्ते तलाशने चाहिए।

आयोजकों के अनुसार इस कार्यक्रम ने दोनों देशों के प्रमुख व्यक्तियों, व्यापारिक नेताओं और उद्योग जगत के हितधारकों को एक साथ लाने का काम किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सार्थक नेटवर्किंग और साझेदारी चर्चाओं के लिए एक साझा मंच प्रदान करना था। क्षेत्र में भारत के समग्र रणनीतिक हितों के लिहाज से नेपाल, भारत के लिए महत्वपूर्ण है, और दोनों देशों के नेताओं ने अक्सर सदियों पुराने रोटी-बेटी के संबंधों का उल्लेख किया है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.